गैरसैंण, सोमवार
2 फरवरी 2026
वर्षः 17
अंकः 250 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

वित्त मंत्री ने किया संसद में बजट पेश

एक नजर

पिकअप व बाइक की भिडंत में बाइक सवार की मौत

सतपुली। बौसाल–सतपुली मोटरमार्ग पर बौसाल मल्ला के पास एक पिकअप वाहन व बाइक की टक्कर हो गई। घटना में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि रविवार की करीब 4 बजे बौसाल–सतपुली मोटरमार्ग पर बौसाल मल्ला के पास एक पिकअप वाहन व बाइक की आपस में भिडंत हो गई। बताया कि घटना में बाइक सवार बृजेश सिंह पुत्र जोत सिंह निवासी ग्राम पाखरी, सतपुली की मौके पर ही मौत हो गई।

सेकेंड हैंड कार के सौदे में 16 लाख की धोखाधड़ी में मुकदमा

देहरादून। पटेलनगर थाना क्षेत्र में पुरानी कारों के खरीद–बिक्री का कारोबार करने वाले एक व्यापारी से महिंद्रा स्कार्पियो–एन के सौदे में करीब 16 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। जालसाजों ने फर्जी आईडी दिखाकर और खुद को वाहन का असली मालिक बताकर फर्जीवाड़े को अंजाम दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ षडयंत्र और धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर पटेलनगर सीबीएस अधिकारी ने बताया कि शिमला बाईपास रोड स्थित क्लासिक कार बाजार के संचालक शम्मी अहमद ने तहरीर दी। बताया कि उनकी पहचान रविंद्र कुमार नाम के एजेंट के जरिए कुछ लोगों से हुई थी। आरोपियों ने खुद को रुद्रपुर निवासी गुरसेवक और विमल बताते हुए सफेद रंग की स्कार्पियो–एन का सौदा 16.10 लाख रुपये में तय किया। भरोसा जीतने के लिए आरोपियों ने असली दस्तावेज दो चाबियां और आधार कार्ड दिखाए। पीड़ित के अनुसार उन्होंने आरटीजीएस और नकद मिलाकर कुल 15.85 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। जब वाहन के पंजीकरण में नाम ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू हुई तो पता चला कि वाहन पहले से ही ब्लॉक है। बाद में खुलासा हुआ कि जो व्यक्ति गुरसेवक बनकर आया था वह फर्जी था। असली गुरसेवक ने पहले ही वाहन ब्लॉक कराया हुआ था। रुपये हड़पने के बाद अब आरोपी फोन बंद कर पीड़ित को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। इंस्पेक्टर अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों पर धोखाधड़ी से रकम हड़पने का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बाड़ेछीना के पास सड़क हादसा, स्कूटी सवार युवक की मौके पर मौत

अल्मोड़ा। जनपद के धौलछीना थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा अल्मोड़ाझबाड़ेछीना मोटर मार्ग पर दल बैंड के समीप हुआ, जिससे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम स्कूटी और एक ट्रक के बीच आमने–सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि स्कूटी सवार युवक ट्रक के पहियों की चपेट में आ गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा बेहद भयावह था, जिससे कुछ देर के लिए मार्ग पर अफरा–तफरी मच गई। मृतक की पहचान कमलेश सिंह भंडारी पुत्र मोहन सिंह भंडारी, निवासी खोल्टा अल्मोड़ा के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। दुर्घटना के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि धौलछीना थाना क्षेत्र में शनिवार को ही एक स्कार्पियो वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमे दम्पति की मौत हो गई और बेटे को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बिहार : पटना में ऑटो और ट्रक की टक्कर में छह की मौत, दो अन्य घायल

पटना ,बिहार के बिहटा थाना क्षेत्र में देर रात एक ऑटो और ट्रक की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य दो लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, यह घटना बिहटा थाना क्षेत्र के लखनपुर के पास की बताई जा रही है। रात में एक अनियंत्रित ट्रक और ऑटो के बीच हुई भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति इलाज के क्रम में अस्पताल में दम तोड़ दिया। बिहटा थाना के सहायक अवर निरीक्षक मुक्ति नारायण सिंह ने बताया कि ऑटो में सवार लोग मनेर से उर्सा देखकर वापस आरा लौट रहे थे। तभी राष्ट्रीय राजमार्ग 30 के पास एक अनियंत्रित ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी। इस घटना में घटनास्थल पर ही पांच लोगों की मौत हो गई,

बजट 2026 : चीन की मोनोपोली तोड़ने के लिए भारत का बड़ा दांव, 4 राज्यों में बनेंगे रेयर अर्थ मिनरल कॉरिडोर

नई दिल्ली ,वित्त मंत्री ने संसद में बजट पेश करते हुए देश के रणनीतिक और सुरक्षा हितों को ध्यान में रखकर एक बड़ी घोषणा की है। सरकार ने देश में रेयर अर्थ मिनरलझ् के लिए विशेष कॉरिडोर बनाने का ऐलान किया है।

इस कदम का सीधा मकसद इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाना और चीन पर बरसों से चली आ रही निर्भरता को खत्म करना है। वित्त मंत्री ने जानकारी दी कि इन विशेष कॉरिडोर का निर्माण देश के चार राज्यों में किया जाएगा, जिससे इन खनिजों के खनन, प्रोसेसिंग और सप्लाई चेन को न केवल रफ्तार मिलेगी बल्कि यह अधिक भरोसेमंद भी बनेगी।

चीन पर 90 फीसदी निर्भरता खत्म करने का रोडमैप

रेयर अर्थ एलिमेंट्स आज के दौर में मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रिक व्हीकल रिन्यूएबल एनर्जी और डिफेंस सेक्टर की रीढ़ माने जाते हैं। फिलहाल भारत अपनी जरूरत का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा चीन से आयात करता है, जो रणनीतिक रूप से एक बड़ा जोखिम है। सरकार ने 2025–2026 के दौरान इस निर्भरता को कम करने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। सरकार का फोकस अब घरेलू स्तर पर इन खनिजों की खोज और उत्पादन क्षमता को बढ़ाने पर है, ताकि भविष्य में किसी भी भू–राजनीतिक संकट का असर भारत की सप्लाई चेन पर न पड़े।

करोड़ों का बजट और पीएलआई स्कीम का सहारा

इस सेक्टर को बूस्ट देने के लिए सरकार ने खजाना खोल दिया है। जनवरी 2025 में 'नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशनझ् की शुरुआत की गई थी, जिसके लिए कुल 16,300 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। इस मिशन के तहत करीब 1,200 एक्सप्लोरेशन प्रोजेक्ट और प्रोसेसिंग सुविधाओं को विकसित करने का काम चल रहा है। इसके अलावा, नवंबर 2025 में रेयर अर्थ मैग्नेट्स के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 7,350 करोड़ रुपये की पीएलआई) स्कीम भी लॉन्च की गई थी। इस योजना के तहत देश में ही 6,000 एमटीपीए की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

माइनिंग कानूनों में बड़े सुधार और निजी क्षेत्र की एंट्री

सरकार ने नीतिगत स्तर पर भी बड़ी स्कावटें को दूर किया है। माइनिंग सुधारों के तहत एमएमडीआर एक्ट में संशोधन कर रेयर अर्थ एलिमेंट्स को 'पार्ट डी में शामिल किया गया है।

बजट 2026—27 से देश और राज्यों के विकास को मिलेगी नई दिशा : मुख्यमंत्री धामी

– सीएम धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को शानदार बजट के लिए बधाई दी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय बजट 2026–27 की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट देश और राज्यों के विकास को नई दिशा देने के साथ ही सभी वर्गों के लिए अवसरों को बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि बजट में आर्थिक विकास तेज करने, लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और सबका साथ सबका विकास सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को विकासोन्मुखी और समावेशी बजट के लिए बधाई देते हुए कहा कि किसानों, महिलाओं, वंचितों, युवाओं, छोटे उद्यमियों और पिछड़े वर्ग पर विशेष ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, उद्योग और अवसंरचना के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। ये पूरे देश के साथ उत्तराखंड के लिए भी लाभकारी साबित होंगे और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाएंगे। बजट में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू–कश्मीर के लिए पर्यावरण–अनुकूल माउंटेन ट्रेल्स विकसित करने की योजना है। उत्तराखंड के परिपेक्ष में बजट ने पर्यटन और बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया है, जो विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसानों, पशुपालन, उच्च मूल्य कृषि, पर्यटन और एमएसएमई के लिए किए गए बजट प्रावधान राज्य की ग्रामीण और पर्वतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे।

शीर्षकों की भरमार लेकिन कोई दिशा नहीं

बजट पर थरूर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट पर कांग्रेस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर ने बजट को लेकर कहा कि इसमें समग्र दृष्टि की कमी दिखती है। उन्होंने क्रिकेट की भाषा में तंज कसते हुए कहा कि वित्त मंत्री ने गेंद को सही तरह से नहीं खेला। थरूर ने बजट को कई छोटे शीर्षकों का संग्रह बताया, लेकिन ठोस दिशा और बड़े विज़न से खाली बताया।

बजट पर क्या बोले थरूर?

नई दिल्ली में बातचीत के दौरान थरूर ने कहा कि बजट भाषण में कई सबहेडिंग थीं, लेकिन बहुत कम ठोस घोषणाएं दिखीं। उन्होंने कहा कि यह बजट समग्र आर्थिक दिशा नहीं बताता। उनके अनुसार देश किस दिशा में जा रहा है, रोजगार कैसे बढ़ेगा और राज्यों को क्या मिलेगा, इन बड़े सवालों का स्पष्ट जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि यह भाषण आकार में भी छोटा था और असर में भी सीमित लगा।

रोजगार और राज्यों पर उठाए सवाल

थरूर ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल रोजगार का है, लेकिन बजट में नौकरी सृजन को लेकर साफ योजना नहीं दिखी। उन्होंने कहा कि राज्यों के लिए भी कोई बड़ी नई घोषणा नहीं है। राजस्व बंटवारा 41 प्रतिशत पर ही रखा गया है, जबकि कई राज्य पहले से संसाधनों की कमी की शिकायत कर रहे हैं। उनके अनुसार राज्यों की जिम्मेदारियां बढ़ रही हैं, लेकिन मदद उसी अनुपात में नहीं बढ़ाई गई।

कल्याण योजनाओं पर कही ये बात

थरूर ने कहा कि बजट में कल्याण योजनाओं का स्पष्ट ब्योरा नहीं है। उन्होंने महात्मा गांधी से जुड़े ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के नाम में बदलाव का भी मुद्दा उठाया और कहा कि नई योजना का असली स्वरूप और फंडिंग देखना जरूरी होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मध्यम वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग के लिए बजट भाषण में कोई बड़ी राहत सुनाई नहीं दी।

बजट 2026 : हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू–कश्मीर को विशेष सौगात, किसानों का भी ध्यान

नई दिल्ली ,वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को पेश किए बजट में किसानों की आय बढ़ाने और पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के क्षेत्र में बड़े कदम उठाने की घोषणा की है। इन प्रस्तावों का मकसद देश के विकास को संतुलित और टिकाऊ बनाना बताया गया है। सरकार ने तटीय इलाकों के किसानों को उच्च मूल्य वाली फसलों की ओर प्रोत्साहित करने का ऐलान किया है। इसके तहत नारियल, काजू और कोको जैसी फसलों के साथ–साथ पहाड़ी और अन्य क्षेत्रों में अखरोट और पाइन नट्स जैसी मेवों की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी और खेती अधिक लाभकारी बनेगी। वही, पर्यटन के क्षेत्र में सरकार ने कई अहम घोषणाएं की हैं। नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी को अपग्रेड कर एक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी स्थापित किया जाएगा। यह संस्थान शिक्षा जगत, उद्योग और सरकार के साथ मिलकर हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में प्रशिक्षण और मानकों को बेहतर बनाएगा। इसके अलावा, देश के 20 प्रमुख पर्यटन स्थलों पर 10,000 टूर गाइड्स को प्रशिक्षित करने के लिए एक पायलट योजना शुरू की जाएगी। यह 12 हफ्ते का मानकीकृत और उच्च गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण हाइब्रिड मोड में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के सहयोग से दिया जाएगा।

लाल आतंक का होगा स्थायी खात्मा

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के लिए बजट में 3610 करोड़ मंजूर

नई दिल्ली । देश में नक्सलवाद के खात्मे की तिथि 31 मार्च 2026 रखी गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कह चुके हैं कि इस तिथि तक देश के सभी इलाकों से नक्सलवाद का पूर्ण खात्मा हो जाएगा। 'लाल आतंक' के स्थायी खात्मे के बाद, नक्सली दोबारा से सिर न उठा सकें, इसके लिए केंद्र सरकार माओवाद से प्रभावित क्षेत्रों में 'सुरक्षा संबंधी व्यय' (एसआई) के बजट को बढ़ा रही है। इस बार के केंद्रीय बजट में 3610.80 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके जरिए नक्सली हिंसा के पीड़ितों को सहायता देना, आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के पुनर्वास और उन क्षेत्रों में तैनात पुलिस बलों के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। बता दें कि 'सुरक्षा संबंधी व्यय' योजना, भारत सरकार की एक केंद्रीय योजना है, जो वामपंथी उग्रवाद या ऐसी ही दूसरी स्थिति से प्रभावित राज्यों में राहत और पुनर्वास गतिविधियों पर हुए खर्चों की प्रतिपूर्ति प्रदान करती है। यह योजना, सौ प्रतिशत केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित है। छत्तीसगढ़ में उच्च रैंक वाले जो नक्सली सरेंडर कर रहे हैं, उन्हें राज्य सरकार पांच लाख रुपये की मदद दे रही है। मध्य/निम्न रैंक वालों को ढाई लाख रुपये की आर्थिक मदद मिलती है। इसके अलावा 36 महीने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए 10 हजार रुपये मासिक वजीफा दिया जा रहा है। नक्सल प्रभावित इलाकों में सीआरपीएफ और इसकी विशेष इकाई 'कोबरा' महज 48 घंटे में नया फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) स्थापित कर रही है। जिस तरह से 31 मार्च की डेडलाइन करीब आ रही है, नक्सलियों के पास दो ही विकल्प बचे हैं। पहला, सरेंडर कर मुख्यधारा में शामिल हो जाएं या फिर सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के लिए तैयार रहें। इस चेतावनी का असर भी हो रहा है। पिछले साल लगभग 1300 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया था। इतना ही नहीं, 700 से ज्यादा नक्सली गिरफ्तार किए गए। अब नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाल होने के बाद संबंधित राज्य सरकारों के समक्ष बड़ी चुनौती ये रहेगी कि वहां विकास का दौर तेजी से प्रारंभ हो। वहां अकेला विकास नहीं, बल्कि सुरक्षा केंद्रित विकास पर फोकस करना होगा। इसी वजह से केंद्रीय बजट 2026–27 में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के 'सुरक्षा संबंधी व्यय' में बढ़ोतरी की गई है।

डॉ. पीएम नायर, आईपीएस (रिटायर्ड डीजी एनडीआरएफ, एडीजी सीआरपीएफ 'ऑपरेशन') का कहना है कि नक्सलवाद के पूर्ण खात्मे के बाद सरकारों को निश्चिंत होकर नहीं बैठना है। संबंधित राज्य, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में सरकारों की चुनौती बढ़ जाएगी। अगले माह तक सुरक्षा बलों की हर उस इलाके तक पहुंच होगी, जो नक्सल प्रभावित रहे हैं। उन इलाकों में केंद्र और राज्य, दोनों सरकारों को आपसी तालमेल से आगे बढ़ना होगा। बतौर पीएम नायर, वहां पर पहली चुनौती, बेरोजगारी से पार पाना होगा। लोकल युवाओं को उनकी योग्यता के मुताबिक नौकरी देनी होगी। खास बात है कि यह रोजगार, सरकार को उनके घर पर ही मुहैया कराना है। युवाओं को दोबारा से विरोध का रास्ता न अपनाना पड़े, इसके लिए सरकार को विशेष बजट का प्रावधान करना चाहिए। सभी केंद्रीय एजेंसियों को एक साथ मिलकर काम करना होगा। उन इलाकों में 'सुरक्षा–केंद्रित विकास' पर फोकस करना चाहिए। ऐसा नहीं है कि अब वहां पर शांति है तो सुरक्षा बलों को वापस बुला लें। लगभग ढाई दशक पहले जिस तरह से झारखंड के सारंडा के जंगलों में 'सुरक्षा–केंद्रित विकास' की योजना लागू की गई, वैसा ही काम अब करना होगा।

गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में हुई साल की तीसरी बर्फबारी

उत्तरकाशी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार रविवार पूर्वाहन में गंगोत्री धाम सहित गोमुख ट्रैक में बर्फबारी शुरू हुई। साथ ही दोपहर बाद यमुनोत्री धाम सहित मोरी और जनपद के अन्य ऊंचाई वाले क्षेत्रों में साल की तीसरी बर्फबारी शुरू हो गई है। देर शाम तक गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में करीब आधा फीट बर्फ गिर चुकी थी। मौसम की चेतावनी को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से सभी विभागों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। रविवार सुबह से जनपद मुख्यालय सहित गंगोत्री यमुनोत्री धाम सहित पूरे जिले में घने बादल छाए हुए थे। पूर्वाह्न में पहले गंगोत्री धाम और गोमुख ट्रैक सहित नेलांग घाटी में बर्फबारी शुरू हुई। दोपहर बाद यमुनोत्री, मोरी के ऊंचाई वाले गांव और बुग्यालों में बर्फबारी जारी है। निचले इलाकों में हल्की बूंदाबांदी और बर्फीली हवाओं से तापमान में भारी गिरावट ला दी है। मौसम विभाग की चेतावनी पर जिला आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से राजस्व, पुलिस, बिजली, जल और सड़क संबंधित विभागों को अलर्ट पर रहकर सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। यह साल की तीसरी बर्फबारी है लंबे इंतजार के बाद हुई बर्फबारी से काश्तकारों की उम्मीदें अब बढ़ने लगी हैं। क्योंकि अच्छी बर्फबारी से खेतों की नमी लंबे समय तक बनी रहेगी। यह सेब, गेहूं, मटर सहित आडू–खुमानी आदि फसलों के लिए वरदान साबित होगी। साथ ही उच्च हिमालयी क्षेत्रों में अच्छी बर्फबारी से जलस्रोत भी रिचार्ज होंगे।

माघ पूर्णिमा पर मंदिरों में हुई पूजा अर्चना

पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ में माघ पूर्णिमा पर प्रसिद्ध तालेश्वर मंदिर, रामेश्वर मंदिर में पूजा–अर्चना के लिए भीड़ जुटी रही। थल स्थित रामगंगा नदी में स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने विधि–विधान के साथ भगवान भोलेनाथ की पूजा की। रविवार को माघ पूर्णिमा के अवसर पर जनपद के प्रसिद्ध मंदिरों में लोगों की भीड़ जुटी। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सुबह तड़के मंदिर किनारे स्थित घाटों में स्नान किया। जिसके बाद लोगों ने मंदिरों में पूजा अर्चना कर अपने घर परिवार के सुख, समृद्धि की कामना की।

तालेश्वर मंदिर में भी देर रात से श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था,काली नदी के तट पर स्नान कर लोगों ने मंदिर में पूजा अर्चना की। सरयू व रामगंगा नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध रामेश्वर घाट में भी श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। थल के बालेश्वर महादेव मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था।

मशहूर फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर के बाहर गोलीबारी

मुंबई के हाई–प्रोफाइल इलाके में मचा हड़कंप

मुंबई , मुंबई के जुहू इलाके में बॉलीवुड के मशहूर फिल्म डायरेक्टर और प्रोड्यूसर रोहित शेट्टी के आवास के बाहर फायरिंग हुई। इस घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है। जिस इलाके में यह घटना हुई, वह मुंबई का हाई–प्रोफाइल इलाका माना जाता है, जहां कई नामी फिल्मी हस्तियों के घर हैं।

पुलिस के अनुसार, रोहित शेट्टी के जुहू स्थित टॉवर के बाहर अज्ञात हमलावरों ने चार राउंड फायरिंग की। गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोगों में अफरा–तफरी मच गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही मुंबई लोकल पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया और सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया।

इस सनसनीखेज घटना के बाद रोहित शेट्टी के आवास के आसपास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस हर आने–जाने वाले व्यक्ति पर नजर रख रही है और इलाके में गश्त बढ़ा दी गई है। राहत की बात यह है कि इस फायरिंग की घटना में किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। बताया जा रहा है कि रोहित शेट्टी और उनका परिवार पूरी तरह सुरक्षित हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच को भी जांच में शामिल किया गया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच ने 12 टीमों का गठन किया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसके अलावा, पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि घटना से जुड़े अहम सुराग मिल सकें।

ट्रॉफी चोर नकवी की नई चाल, टी20 विश्वकप में खेलेगा पाकिस्तान

भारत के साथ मैच का करेगा बहिष्कार

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 से पहले पाकिस्तान का ड्रामा जारी है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टूर्नामेंट में खेलने का फैसला किया है। लेकिन पाकिस्तान की टीम भारत के मुकाबलों का बहिष्कार करेगी यानी भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को खेले जाने वाले मैच में पाकिस्तान की टीम शामिल नहीं होगी।

भारत के साथ मैच का बहिष्कार करेगा पाकिस्तान

पाकिस्तान की सरकार ने पाकिस्तान टीम को आगामी विश्व कप के लिए श्रीलंका की यात्रा की अनुमति दे दी है। पाकिस्तान सरकार ने 'एक्स' पर लिखा, 'पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी।' बयान में इस फैसले की कोई वजह नहीं बताई गई।

नकवी ने की थी शहबाज शरीफ से मुलाकात

इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की थी और उन्हें बांग्लादेश विवाद की पूरी जानकारी दी थी। इसके बाद उन्होंने 2 फरवरी तक फैसला लेने की बात कही थी। बड़े दावे करने वाले पाकिस्तान ने औंधे मुंह गिरकर अब टी20 विश्व कप में खेलने का फैसला लिया है। हालांकि, उनकी टीम भारत के खिलाफ 15 फरवरी को खेले जाने वाले मैच में नहीं शामिल होगी।

बांग्लादेश विवाद में पाकिस्तान की एंट्री कैसे हुई?

पाकिस्तान का ड्रामा बांग्लादेश विवाद के साथ ही शुरू हुआ। पाकिस्तान खुलकर बांग्लादेश की मांग के समर्थन में उतरा था। आईसीसी ने जब बांग्लादेश की मांग को लेकर बोर्ड की बैठक में वोटिंग कराई तो पाकिस्तान ने बांग्लादेश के पक्ष में वोट दिया। पाकिस्तान का यह कदम भी बांग्लादेश के काम नहीं आ सका और आईसीसी ने अंत में बांग्लादेश के टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

बांग्लादेश के बाहर होने से पाकिस्तान बौखला गया और उसने आईसीसी पर पक्षपात का आरोप लगाया।

पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा कि उनकी टीम का खेलना पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के फैसले पर निर्भर है।

कढ़ाहे में गिरे व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत

रुड़की। कस्बे में संचालित एक गन्ना कोल्हू में बीती 9 जनवरी को हुए हादसे में गंभीर रूप से झुलसे 45 वर्षीय व्यक्ति की देहरादून स्थित अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार रात्रि मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्बा झबरेड़ा निवासी मुस्लीन गन्ना कोल्हू में गन्ने का रस पकाकर गुड़ बनाने का कार्य करता था। 9 जनवरी की सुबह वह प्रतिदिन की तरह रस पकाने में जुटा था। अचानक संतुलन बिगड़ने से वह उबलते हुए गन्ने के रस से भरे कढ़ाहे में गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। कोल्हू में मौजूद अन्य मजदूरों ने तुरंत उसे कढ़ाहे से बाहर निकालकर उपचार के लिए डॉक्टर के पास पहुंचाया। चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए पहले रुड़की सिविल अस्पताल रेफर किया,करीब 22 दिनों तक चले इलाज के बाद शनिवार रात को उसकी मौत हो गई।

कॉलोनी काटने और साझेदारी का झांसा देकर 66.70 लाख ठगे

रुड़की। लण्ढौरा में कॉलोनी काटने और साझेदारी का झांसा देकर एक व्यक्ति से 66.70 लाख की रकम ठग ली गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रणसूरा निवासी तसलीम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके परिचित नूरआलम निवासी लण्ढौरा और पवन दुबे निवासी लक्सर ने उसे बताया कि उन्होंने लण्ढौरा में 24 बीघा जमीन का सौदा उग्रसैन अग्रवाल नामक व्यक्ति से 38 लाख रुपये प्रति बीघा की दर से किया है। आरोपियों ने उसको झांसा दिया कि यदि वह इस प्रोजेक्ट में पैसा लगाता है, तो उसे बड़ा मुनाफा होगा। जान–पहचान होने के कारण पीड़ित उनकी बातों में आ गया और एक सितंबर 2021 को नूरआलम के हिस्से में 20 प्रतिशत की साझेदारी तय हुई। इसके बाद आरोपियों ने उससे अलग–अलग तारीखों में 66 लाख 70 हजार प्राप्त कर लिए। इसमें से 29 लाख 50 हजार नकद और बाकी की रकम बैंक ट्रांसफर के जरिए नूरआलम के खाते में भेजी गई। पीड़ित का आरोप है कि पवन दुबे, नूरआलम और उनके साथियों इकराम, फरीद अंसारी, कुरबान ने उसके पैसे हड़प लिए। आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर खुद को भूमि का स्वामी बताया और बिना उसको बताए अन्य लोगों से पैसे लेकर जमीन का बैनामा करना शुरू कर दिया। पीड़ित ने अपने पैसे या जमीन के हिस्से की मांग की, तो आरोपी टालमटोल करने लगे। आरोप है कि 10 नवंबर 2025 को जब पीड़ित ने अपने भाई मुर्सलीन और बासिद अली के सामने पैसे वापस मांगे, तो आरोपियों ने पैसे देने से साफ मना कर दिया और गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

सम्पादकीय

बजट से निराशा

मोदी सरकार का केंद्रीय बजट आज पेश कर दिया गया है जिसे लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही है तो वहीआम व्यक्ति से जुड़े मुद्दों को लेकर कोई खास बात इस बजट में नजर नहीं आई है। उम्मीद की जा रही थी कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन मध्यमवर्ग एवं आम व्यक्ति के लिए कुछ खास पैकेज और राहत लेकर बजट पेश करेंगे लेकिन यहां भी निराशा ही हाथ लगी है। आशा की जा रही थी कि जहां एक तरफ टैक्स में छूट मिलेगी, तो किसानों को उम्मीद थी कि उनकी कुछ बेहतरी होगी और सबसे ज्यादा उम्मीद तो उन पांच राज्यों के करोड़ों लोगों को थी, जहां विधानसभा के चुनाव होने हैं, लेकिन जब वित्त मंत्री का बजट भाषण खत्म हुआ तो आम आदमी के साथ ही चुनावी राज्यों के लोगों को भी जोर का झटका लगा, क्योंकि आम व्यक्ति से जुड़ी उम्मीदों का बजट में कहीं जिक्रही नहीं किया गया। पिछले बजट में वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स में जितनी बड़ी छूट दी थी और इनकम टैक्स की लिमिट को 12 लाख रुपये तक कर दिया था।, लेकिन इस बार इनकम टैक्स पर करदाता निराश हो गया। यही स्थिति कृषि क्षेत्र में भी देखने को मिला जहां किसान उम्मीद लगाए बैठे थे कि किसानों के लिए कोई नई योजना आएगी। उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत मिलने वाले पैसे में कुछ बढ़ोतरी होगी, खाद–बीज पर सब्सिडी और कम ब्याज पर कर्ज और पुरानी कर्ज माफी होगी परन्तुव्याहन भी ऐसा कुछ नहीं हुआ। युवाओं के रोजगार के लिए कोई स्पेशल स्कीम नहीं पेश की गई। रोजगार के सृजन की बात हुई, डाटा सेंटर के जरिए रोजगार बढ़ाने की बात हुई, स्कूलों में कॉन्टेंट क्रिएशन की बात हुई, कुछ इंटर्नशिप और स्किल की बात हुई तो हुई लेकिन अधिक उत्साहजनक कुछ नहीं। देश के वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी इस बजट में उल्लेख करने लायक कुछ नहीं है। जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं उम्मीद की गई थी कि शायद केंद्रीय बजट में सरकार मतदाताओं को लुभाने के लिए कुछ नया पेश करेगी लेकिन यहां भी बजट में कोई खास बात नहीं है। स्पष्ट है की सरकार की ओर से इस बार का केंद्रीय बजट घुमा फिरा कर पेश किया गया है हालांकि सरकार उम्मीद बंधे बैठी है कि मजबूत आर्थिक गतिविधियों और बेहतर टैक्स कलेक्शन के दम पर सरकारी आय में इजाफा होगा, जिससे विकास और निवेश को गति मिल सकेगी।

राजनीतिक अर्थव्यवस्था

प्रगति के तहत होने वाली समीक्षा की अध्यक्षता करने में माननीय प्रधानमंत्री की भूमिका इसकी सफलता के लिए बहुत जरूरी है। उनका सीधा जुड़ाव इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि डिलिवरी राष्ट्रीय प्राथमिकता है और कार्यान्वयन की विफलताओं पर सवीच्च स्तर पर ध्यान दिया जाएगा। यह निर्णायक कार्रवाई को सुगम बनाता है और समीक्षा को परिणामों के लिए एक बाध्यकारी ढांचे में बदल देता है। इन समीक्षाओं के दौरान लिए गए निर्णय अंतिम, समयबद्ध और डिजिटल रूप से रिकॉर्ड किए जाते हैं, जिससे जवाबदेही स्पष्ट और लागू करने योग्य होती है। प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण सक्षमकर्ता के रूप में कार्य करती है। रीयल–टाइम डेटा, जियो–स्पैशियल विजुअलाइज़ेशन और क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ सीधे संवाद हितधारकों के बीच जानकारी की असमानता समाप्त करते हैं और निर्णयों को साक्ष्यों के आधार पर लिया जाना सुनिश्चित करते हैं।

टी.के. रामचंद्रन

सरकार के दो परिवर्तनकारी कदमों–पीएम गति शक्ति और प्रगति–का विशाल परियोजनाओं की योजना बनाने, उन्हें कार्यान्वित करने और उनकी निगरानी करने पर गहरा असर पड़ा है। इस लेख में हम बाद वाले कदम के बारे में चर्चा कर रहे हैं।

प्रगति (प्रो–एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) प्रारूप के तहत आयोजित 50वीं उच्च–स्तरीय समीक्षा दर्शाती है कि शासन के प्रति भारत सरकार के रुख और उसे संचालित करने के तरीके में बहुत बड़ा बदलाव आया है। यह बदलाव नीयत से डिलिवरी की ओर, प्रक्रियागत अनुपालन से परिणामों की ओर तथा बिखरी हुई सत्ता से समन्वित एवं समयबद्ध कार्यान्वयन की ओर संकेत करता है। इस प्रकार प्रगति केवल एक प्रशासनिक नवाचार भर नहीं है; बल्कि यह शासन की संरचना की सोच–विचार कर की गई पुनर्रचना का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब शासन के अन्य मॉडल विफल रहे, तब यह मॉडल परिणाम देने में कैसे सफल हुआ?

प्रगति की आवश्यकता

सार्वजनिक परियोजनाओं में देरी होना लगभग आम बात रही है। फिर भी, शायद ही कभी इस देरी कारण नीति में स्पष्ट जानकारी या वित्तीय मंजूरी का अभाव रहा। शासन प्रणालियों का बिखराव इस देरी का कारण रहा है। मंत्रालय ऊपरी से निचले स्तर तक या वर्टिकली कार्य करते हैं; राज्य और केंद्र क्रमिक रूप से काम करते हैं; और विवाद निपटाने के अधिकार–संपन्न मंच न होने के कारण, विवाद लंबित पड़े रहते हैं। गतिविधियाँ बढ़ने के बावजूद जवाबदेही कमज़ोर होती जाती है। मुख्य समस्या कमज़ोर तालमेल और साइलो–बेस्ड समीक्षा तंत्र रही हैं।

इसके परिणामस्वरूप, परियोजना की डिलिवरी का व्यापक उद्देश्य अक्सर कहीं खो जाता है। कई परियोजनाएँ जमीनी विवाद, पर्यावरण या वन मंज़ूरी, नियामक अनुमोदन, संविदा से जुड़े विवादों या राज्यों के बीच तालमेल संबंधी चुनौतियों के कारण वर्षों तक अटकी रहीं। एक बहु–मंत्रालयीय और बहु–राज्यीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था में, जहाँ प्रत्येक संस्था अपने अधिकार क्षेत्र पर प्रभुत्व जमाए हुए होती है, किसी के लिए भी दूसरे को राजी करना कठिन हो जाता है।

जब परियोजना की पूर्ति में कई राज्यों और मंत्रालयों को योगदान देना होता है, तो बैठकें करने, चर्चा करने, फील्ड दौरे करने, समितियाँ बनाने और अंतहीन पत्राचार करने की पुरानी प्रक्रिया बेअसर साबित होती है। यह एक ऐसा तरीका था, जिसमें चर्चा को निर्णय, गतिविधि को काम, गति को प्रगति और केवल नीयत को उपलब्धि समझ लिया जाता था।

प्रगति का आगमन

प्रगति निर्णय लेने, समन्वय करने और लागू करने के तरीके को नए तरीके से डिजाइन कर लगातार बनी रहने वाली इन संरचनात्मक कमियों को दूर करता है। प्रणालीगत समन्वयक के रूप में काम करते हुए यह मंत्रालयों, राज्यों और जिलों के निर्णयकर्ताओं को एक ही संस्थागत और डिजिटल मंच पर लाता है। यह फ़ाइलों के आदान–प्रदान, क्षेत्राधिकार की अस्पष्टता और विभागीय पत्राचार के कारण होने वाली देरी को समाप्त करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कार्यान्वयन का विस्तृत दृष्टिकोण बहाल करता है, जिससे नेतृत्व फ़ाइलों की लंबित स्थिति के बजाय प्रणाली से संबंधित रुकावटों की पहचान कर सकता है।

प्रगति के तहत होने वाली समीक्षा की अध्यक्षता करने में माननीय प्रधानमंत्री की भूमिका इसकी सफलता के लिए बहुत जरूरी है। उनका सीधा जुड़ाव इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि डिलिवरी राष्ट्रीय प्राथमिकता है और कार्यान्वयन की विफलताओं पर सवीच्च स्तर पर ध्यान दिया जाएगा। यह निर्णायक कार्रवाई को सुगम बनाता है और समीक्षा को परिणामों के लिए एक बाध्यकारी ढांचे में बदल देता है। इन समीक्षाओं के दौरान लिए गए निर्णय अंतिम, समयबद्ध और डिजिटल रूप से रिकॉर्ड किए जाते हैं, जिससे जवाबदेही स्पष्ट और लागू करने योग्य होती है।

प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण सक्षमकर्ता के रूप में कार्य करती है। रीयल–टाइम डेटा, जियो–स्पैशियल विजुअलाइज़ेशन और क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ सीधे संवाद हितधारकों के बीच जानकारी की असमानता समाप्त करते हैं और निर्णयों को साक्ष्यों के आधार पर लिया जाना सुनिश्चित करते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रौद्योगिकी प्रशासनिक निर्णय क्षमता को बदलने के बजाय उसे सुदृढ़ करती है, जिससे प्रणाली के भीतर नेतृत्व की जिम्मेदारी और मजबूत होती है।

प्रगति में समापन पर जोर दिया जाता है और यही बात उसे पहले के समीक्षा तंत्रों से अलग बनाती है। समस्याएँ तब तक सक्रिय रहती हैं, जब तक उन्हें हल नहीं किया जाता, और उन्हें लगातार कैबिनेट सचिवालय और प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा ट्रैक किया जाता है। केवल स्पष्टीकरण देना अब परिणामों का विकल्प नहीं है। समय के साथ, इस अनुशासन ने प्रशासनिक व्यवहार को बदल दिया है, जिससे मंत्रालयों और राज्यों को समस्याओं का पूर्वानुमान लगाने और उन्हें बढ़ने से पहले हल करने की प्रवृत्ति बढ़ी है

परिणाम

परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं और आकलन करने योग्य हैं। 85 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं में तेज़ गति से काम हुआ गई है। हाल के वर्षों में, प्रगति के तहत पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) की दस परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिससे अड़चनों का जल्द समाधान हुआ और तेज़ी से कार्यान्वयन संभव हुआ। मैं उदाहरण के रूप में दो परियोजनाओं को प्रस्तुत करूँगा।

लोथल में राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर (एनएमएचसी) एक विशाल परियोजना है, जिसमें केंद्र सरकार के संस्कृति, रक्षा, विदेश, रेल और राजमार्ग जैसे कई मंत्रालयों के साथ–साथ गुजरात सरकार भी शामिल हैं। साथ ही, कई तटीय राज्यों के पवेलियन स्थापित किए जाने हैं, इसलिए संबंधित राज्य भी इस परियोजना का हिस्सा हैं। पिछले वर्ष एनएमएचसी परियोजना को प्रगति के एजेंडे में शामिल करने से कई स्तरों पर तुरंत कार्रवाई शुरू हो गई। सामान्यतः एजेंडे को प्रधानमंत्री द्वारा समीक्षा से कुछ महीने पहले सूचित किया जाता है, जिससे विभिन्न हितधारकों को प्राथमिकता के साथ मुद्दों को हल करने का अवसर मिलता है। परिणामस्वरूप, ज्यादातर मुद्दे जो आधिकारिक/मंत्रालय स्तर पर हल किए जा सकते हैं, पहले ही सुलझ जाते हैं और केवल मार्गदर्शन या दिशा की आवश्यकता वाले शेष जटिल मुद्दे ही वास्तविक समीक्षा के दौरान उठाए जाते हैं।

इसी तरह, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से गुजरने वाले राष्ट्रीय जलमार्ग (एनडब्ल्यू)–1 पर लागू की जा रही जल मार्ग विकास परियोजना की प्रगति के तहत दो बार समीक्षा की गई। यह परियोजना अब समापन चरण में है और अधिकांश लंबित मुद्दे हल हो चुके हैं।

प्रगति फोरम एक महत्वपूर्ण सत्य पर जोर देता है: सार्वजनिक मूल्य या पब्लिक वेल्यू केवल योजनाओं की घोषणा करने से नहीं, बल्कि मंजूर किए गए निवेश के नतीजों में परिणत होने से उत्पन्न होता है। अटकी हुई परियोजनाएँ केवल नीतियों को दोबारा निरुपित किए जाने के कारण ही आगे नहीं बढ़ी, बल्कि कार्यान्वयन के मार्ग को आसान बनाने और जवाबदेही लागू करने के कारण आगे बढ़ीं।

प्रगति का सहकारी संघवाद में योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मुख्य सचिवों और केंद्रीय सचिवों को एक ही रीयल–टाइम प्लेटफ़ॉर्म पर लाया जाना बंटी हुई जिम्मेदारी के स्थान पर परिणामों की साझा जिम्मेदारी स्थापित करता है।

प्रगति ञ50 इस बात का सबूत है कि शासन के नतीजे संस्था की संरचना पर निर्भर करते हैं। साइलो समाप्त करके, कार्यान्वयन का व्यापक दृष्टिकोण बहाल करके और कार्य समाप्त करने को प्राथमिकता देकर, प्रगति यह दर्शाता है कि असरदार शासन का आशय केवल कार्यभार बढ़ाना नहीं, बल्कि पहले से स्वीकृत कार्य को तेज़ी, गुणवत्ता और तालमेल के साथ पूरा करना है। समयबद्ध कार्यान्वयन सेवाओं तक त्वरित पहुँच कायम करता है, अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करता है, क्षेत्रीय असमानताओं को घटाता है और सरकार की शासन करने की क्षमता में जनता का विश्वास मजबूत करता है।

प्रगति केवल नेतृत्व–प्रधान डिलिवरी का रिकॉर्ड ही नहीं, बल्कि जटिल शासन को संचालित करने की रूपरेखा भी है। वैश्विक स्तर पर इसे मिल रही तवज्जो और प्रशंसा इसी बात का प्रमाण है।

भारत के साथ व्यापार समझौता करने को व्याकुल सारे मुल्क

हरिशंकर व्यास

पूरी दुनिया की भू राजनीति में उथलपुथल है। पिछले आठ दशक से ज्यादा समय से अमेरिका के सबसे भरोसे के सहयोगी रहे यूरोपीय देशों का भरोसा टूटा है तो चीन और रूस जैसे अमेरिका के घोषित प्रतिद्वंद्वियों या दुश्मनों को भी नए सिरे से अपनी नीतियां बनाने की जरुरत महसूस हो रही है। ट्रंप भले दावा करें कि उन्होंने आठ युद्ध रुकवाए हैं, हकीकत यह है कि उन्होंने सात युद्ध शुरू किए हैं। सीरिया से लेकर लीबिया, नाइजीरिया, वेनेजुएला, ईरान तक अमेरिका ने बमबारी की है। उन्होंने कनाडा, वेनेजुएला और ग्रीनलैंड को अमेरिका के नक्शे का हिस्सा बता दिया है। दुनिया में इस समय युद्ध का खतरा मंडरा रहा है तो साथ साथ आर्थिक अनिश्चितता भी गहरी होती जा रही है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने दुनिया भर के देशों के खिलाफ टैरिफ वार छेड़ा है। भारत के ऊपर भी 25 फीसदी जैसे को तैसा टैक्स और रूस से तेल खरीदने के वजह से 25 फीसदी का जुर्माना टैक्स लगाया है। इसके बावजूद दुनिया की भू राजनीतिक और वैश्विक व्यापार की हालत ने भारत के लिए बड़ा मौका बनाया है। ट्रंप की नीतियों से परेशान दुनिया के ज्यादातर देश भारत की ओर से देख रहे हैं। इसलिए नहीं कि भारत उनको कोई राहत दिला देगा। सबको पता है कि भारत ग्लोबल वर्ल्ड ऑर्डर में कहीं नहीं है। लेकिन 140 करोड़ से ज्यादा लोगों का बाजार होने की वजह से भारत की स्थिति सबसे लिए महत्वपूर्ण हो गई है।

दुनिया भर के देशों को भारत में अपना सामान बेचना है। इसलिए दुनिया के सारे मुल्क भारत के साथ व्यापार समझौता करने को व्याकुल हैं। ब्रिटेन के साथ भारत की व्यापार संधि हो गई है।

पिछले दिनों संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति अल नाह्यान भारत के दौरे पर आए तो दोनों देशों ने साझा व्यापार 25 लाख करोड़ रुपए तक ले जाने का समझौता है। वैसे अब भी यूएई के साथ भारत का कारोबार साढ़े 12 लाख करोड़ रुपए का है।यूरोपीय संघ के साथ भारत की मुक्त व्यापार संधि की सारी शर्तें तय हो गई हैं। अब इस संधि पर दस्तखत होने हैं। इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लियेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष भारत के मेहमान होंगे। 26 जनवरी की परेड के अगले दिन 27 जनवरी को यूरोपीय संघ के साथ अंतिम वार्ता होगी और व्यापार संधि हो जाएगी। इसे उर्सुला वॉन डेर ने मदर ऑफ ऑल डील्स कहा है। जाहिर है कि यह संधि बहुत बड़ी होगी और एक साथ यूरोप के 27 देशों के साथ भारत के आसान शर्तों पर व्यापार करने की स्थितियां बनेंगी। लेकिन सवाल है कि इतने देशों के साथ आसान शर्तों पर व्यापार की संधियों से भारत को क्या हासिल होगा?दुनिया के देशों को तो भारत का बाजार मिलेगा लेकिन भारत भी क्या उन देशों के बाजार में अपना कुछ बेच पाएगा? भारत के पास बेचने के लिए क्या है और जो है उसका बाजार कितना बड़ा है? असल में भारत ने अपने को निर्यातक बनाने की ठीक ढंग से तैयारी ही नहीं ही। अगर आप बारीकी से देखेंगे तो भारत आज भी वही चीजें दुनिया को बेचता हुआ है, जो ढाई हजार साल पहले मौर्य काल में भी भारत बेचता था। जब सिल्क रूट से कारोबार होता था तब भी भारत वही सामान बेचता था, जो आज बेचता है। वही कपड़े, वही रत्न, वही मसाले भारत तब भी बेचता था और आज भी बेचता है। इसमें थोड़ी बहुत और चीजें जरूर जुड़ी हैं लेकिन ऐसी नहीं हैं, जिससे भारत एक बड़ा निर्यातक देश बन जाए। 180 साल पहले गिरमिटिया मजदूर बाहर गन्ने के खेतों में काम करने के लिए गए थे और आज आईटी के पेशेवर कुलीगिरी करने के लिए दुनिया भर के देशों मे जाते हैं।

सो दुनिया के देशों के साथ हो रही व्यापार संधियों के बीच बड़ा सवाल यह है कि भारत में विनिर्माण क्रांति कैसे हो और भारत किन चीजों का उत्पादन बढ़ाए, जिसका वैश्विक बाजार बन सकता है और भारत में विदेशी मुद्रा का प्रवाह तेज हो? यह सवाल इसलिए है क्योंकि भारत में निवेशक नहीं आ रहे हैं।

अस्सी से सामने आई तापसी पन्नू की खौफनाक झलक

बॉलीवुड की थ्रिलर क्वीन तापसी पन्नू फिर दर्शकों की सांसें थामने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म अस्सी का पहला मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जो देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गया है। इस पोस्टर में तापसी का एक ऐसा अवतार सामने आया है, जो डर, तनाव और जीने की तड़प को बयां कर रहा है। इस फिल्म के जरिए तापसी ने एक बार फिर निर्देशक अनुभव सिन्हा से हाथ मिलाया है।

पोस्टर में तापसी बदहवास होकर अपनी जान बचाने के लिए भागती नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर छाई चिंता और बैकग्राउंड का म्यूजिक साफ इशारा कर रहा है कि ये फिल्म एक जबरदस्त सर्वाइवल थ्रिलर होने वाली है। तापसी का किरदार एक ऐसी स्थिति में फंसा हुआ है, जहां हर सेकेंड मौत का साया उनके पीछे है। उनके दौड़ने का अंदाज बताता है कि ये सिर्फ एक रेस नहीं, बल्कि उनके जीवन की सबसे कठिन जंग है। तापसी ने सोशल मीडिया पर पोस्टर साझा कर लिखा, बहुत समय हो गया... इसे सामान्य माने हुए बहुत समय बीत गया... मिलते हैं कोर्ट में 20 फरवरी को... मेरा मतलब है सिनेमाघरों में। तापसी के इस पोस्ट से जाहिर है कि फिल्म की कहानी किसी कानूनी लड़ाई, सामाजिक अन्याय या किसी ऐसे अपराध से जुड़ी है, जो समाज में सामान्य हो गया है। पोस्टर में धड़कनें तेज कर देने वाला संगीत मन में डर के साथ–साथ उत्सुकता पैदा करता है। तापसी और निर्देशक अनुभव सिन्हा की जोड़ी ने अस्सी से पहले दर्शकों को ऐसी फिल्में दी हैं, जिन्होंने न सिर्फ समीक्षकों का दिल जीता, बल्कि समाज को आईना दिखाने का काम भी किया है।

अर्शदीप सिंह ने टी–20 अंतरराष्ट्रीय में झटका पहला 5 विकेट हॉल

नईदिल्ली,भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ सीरीज के 5वें और आखिरी टी–20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट अपने नाम किए। यह उनके टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला ही 5 विकेट हॉल रहा है। उनकी गेंदबाजी के कारण ही भारतीय टीम मैच में आसान जीत दर्ज करने में सफल रही। आइए उनकी गेंदबाजी और आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं। अर्शदीप ने 272 रन का लक्ष्य लेकर उतरी कीवी टीम को 17 रन के स्कोर पर टिम साइफर्ट (5) के रूप में पहला झटका देते हुए मैच में अपने विकेटों का खाता खोला। इसके बाद वह थोड़े महंगे साबित हुए, लेकिन बाद में उन्होंने वापसी करते हुए रचिन रविंद्र (30), मिचेल सैंटनर (0), बेवन जैकब्स (7) और डेरिल मिचेल (26) को पवेलियन की राह दिखाई। उन्होंने अपने कोटे के 4 ओवर में 51 रन खर्च कर ये सफलताएं अर्जित की। अर्शदीप के लिए मैच काफी उतार–चढ़ावा वाला रहा है। अपने पहले ओवर में साइफर्ट को आउट करने के बाद फिल एलन और रचिन रविंद्र ने उन्हें अपना निशाना बनाते हुए जमकर चौके–छक्के जड़े।

सूर्यकुमार यादव ने रोहित–विराट को छोड़ा पीछे, टी20 इंटरनेशनल में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नईदिल्ली,। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज के पांचवें और आखिरी टी20 में 46 रनों से जीत दर्ज की. कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मैच में 30 गेंदों में छह छक्कों की मदद से 63 रनों की पारी खेलकर अहम भूमिका निभाई. इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने न सिर्फ भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, बल्कि सबसे छोटे फॉर्मेट में सबसे तेज 3000 रन बनाने का मील का पत्थर भी हासिल किया. वह यह उपलब्धि सबसे कम गेंद खेलकर हासिल की है.भारतीय कप्तान ने यह मुकाम सिर्फ 1,822 गेंदों में हासिल किया, जिससे उन्होंने रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया. कोहली ने यह मुकाम 2169 गेंदों में हासिल किया था, जबकि हिटमैन ने इसे 2149 गेंदों में पूरा किया था. यूएई के मोहम्मद वसीम 3000 रन तक पहुंचने वाले सबसे तेज खिलाड़ी थे, जिन्होंने पहले यह उपलब्धि 1947 गेंदों में हासिल की थी. वहीं सबसे कम पारियां खेल कर इस मकाम तक पहुंचने वालों की लिस्ट में सूर्यकुमार यादव 7वें नंबर पर हैं. पहले नंबर पर पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान हैं, जिनके नाम 79 पारी में तीन हजार रन पूरे करने का रिकॉर्ड है. उसके बाद दूसरे नंबर पर भारतीय स्टार विराट कोहली हैं, जिन्होंने 81 इनिंग में ये कारनामा अंजाम दिया है. जबकि पाकिस्तान के बाबर आजम को ये उपलब्धि हासिल करने के लिए 81 पारियां लगीं.

नीलम गिरी को मिला द 50 का गोल्डन टिकट

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री नीलम गिरी बिग बॉस 19 के बाद अब रियलिटी शो द 50 में जाने वाली हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने पुष्टि करते हुए कहा, ये आ गया मेरा द 50 का गोल्डन टिकट और मुझे बुलावा आ गया है लॉयन के महल में जाने के लिए। अब मैं जा रही हूं शॉपिंग के लिए। आप लोग द 50 1 फरवरी से जियो हॉटस्टार और कलर्स पर देख सकते हैं। अभिनेत्री ने वीडियो के साथ लिखा, बिग बॉस 19 के बाद जियो हॉटस्टार और कलर्स के साथ फिर जुड़ना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है, लेकिन इस बार एक बिल्कुल नए रियलिटी शो द 50 के साथ। उन्होंने लिखा, बिग बॉस के घर में मेरा सफर बहुत शानदार रहा। दर्शकों ने मुझे खूब प्यार दिया, खासकर सीधा जाकर लेफ्ट लें और चाय बनाना जैसे पलों के लिए। अब कुछ नया शुरू करने को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। उम्मीद है यहां भी ऐसे कई यादगार पल बना पाऊंगी।

गुनाशेखर की नई फिल्म यूफोरिया का टीज़र रिलीज़ हुआ, 6 फरवरी को होगी रिलीज

प्रतिभाशाली निर्देशकों में गिने जाने वाले गुनाशेखर, जो बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने वाली फिल्में बनाने में नाकाम रहे हैं, लंबे अंतराल के बाद फिल्म यूफोरिया के साथ दर्शकों का स्वागत करने जा रहे हैं। फिल्म यूफोरिया का टीजर सोमवार को जारी किया गया। बताया जा रहा है कि गुनाशेखर इस फिल्म को एक नए कॉन्सेप्ट के साथ प्रोड्यूस कर रहे हैं। टीजर देखकर साफ है कि यूफोरिया युवाओं को नशे की लत से होने वाली समस्याओं पर आधारित है। नीलिमा गुनाशेखर फिल्म यूफोरिया को प्रोड्यूस कर रही हैं, जिसमें भूमिका, सारा अर्जुन और गौतम वासुदेव मेनन मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 6 फरवरी को रिलीज होने वाली है। गुणशेखर, जिन्होंने अपने करियर में लाठी, सोगासु चूड़ातरमा, रामायणम (बाल कलाकारों के साथ), चुडलन्नी अथिला, मनोहरम, मृगाराजू, ओक्काडु, अर्जुन, सैनिकुडु, वरुडु, निप्पू, रुद्रमादेवी और शकुंतलम सहित 13 फिल्में बनाई हैं,

टी20 वर्ल्ड कप 2026 : भारत–पाकिस्तान के कोचों से सजी यूएई की वर्ल्ड कप टीम

नईदिल्ली, यूएई ने अपनी 15 सदस्यीय टी20 वर्ल्ड कप टीम की घोषणा कर दी है. जिसमें स्टार बैटर मुहम्मद वसीम को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है. टीम में यूएई के 2022 में ऑस्ट्रेलिया में हुए पिछले टी20 वर्ल्ड कप में खेलने वाले तीन खिलाड़ी शामिल हैं. जिसमें मोहम्मद वसीम, अलीशान शराफू और जुनैद सिद्दीकी के नाम शामिल हैं. मोहम्मद वसीम पिछले तीन सालों से टीम की कप्तानी कर रहे हैं. वो अब तक अपने 92 इंटरनेशनल मैचों में से 66 में यूएई की कप्तानी कर चुके हैं.इस बार यूएई की टीम में खिलाड़ियों से ज्यादा कोच का चर्चा हो रहा है, क्योंकि टीम के हेड कोच भारत के पूर्व खिलाड़ी लालचंद राजपूत हैं तो वहीं टीम के तेज गेंदबाजी कोच पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी यासिर अरफात हैं. इसके अलावा जिम्बाब्वे के स्टेनली चियोजा टीम के फील्डिंग कोच होंगे. लालचंद राजपूत भारत के लिए 2 टेस्ट और 4 वनडे मैच खेले हैं, जबकि फर्स्ट क्लास में उनके नाम 110 मैच है और लिस्ट ए में वो 61 मैच खेले हैं. वहीं पाकिस्तान के यासिर अराफात ने सभी फॉर्मेट में 27 इंटरनेशनल मैच खेले हैं और कई नेशनल टीमों व फ्रेंचाइजी को कोचिंग भी दे चुके हैं. बात दें कि यूएई की टीम इससे पहले 2014 और 2022 में टी20 वर्ल्ड कप खेल चुकी है, लेकिन दोनों बार वो ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गए. यूएई ने पिछले साल ओमान में एशिया और ईस्ट एशिया–पैसिफिक क्वालिफायर के सुपर सिक्स स्टेज में जापान को हराकर 2026 के वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की की थी. यूएई को वर्ल्ड कप के ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, कनाडा, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के साथ रखा गया है. इसलिए इस बार भी उनका ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ने का रास्ता आसान नहीं होने वाला है. वो टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 10 फरवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से करेंगे. उसके बाद वे नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में कनाडा (13 फरवरी), अफगानिस्तान (16 फरवरी) और दक्षिण अफ्रीका (18 फरवरी) से मुकाबला करेंगे.

एक नजर

पीयर एक्सपोजर विजिट का हुआ आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राजकीय बेस चिकित्सालय में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के अंतर्गत पीयर एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छह पीयर एजुकेटरों ने प्रतिभाग किया। पीयर एक्सपोजर विजिट में होम्योपैथी, डायलिसिस, रेडियोलाजी, डाटस, आईसीटीसी, एसटीआई, पीडिया वार्ड, मेडिकल वार्ड, ब्लड बैंक के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। तत्पश्चात सभी पीयरों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोटाढांक का भ्रमण करवाया गया, जहां पर उन्हें वैक्सीनेशन की जानकारी दी गई। इस मौके पर आरकेएसके काउंसलर अरविंद सिंह, उर्मिला तड़ियाल, करण सिंह, शांति नेगी, दीपा रावत, नीलम कुकरेती, शारदा देवी मौजूद रहे।

लालढांग-चिलरखा मोटर मार्ग निर्माण को आज निकलेगी रैली

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः लालढांग–चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर सोमवार को शहर में आक्रोश रैली निकाली जाएगी। रैली को सफल बनाने के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। रैली चिलरखाल चैक पोस्ट से लेकर तहसील तक निकाली जाएगी।

आंदोलन के संयोजक प्रवीण थापा ने बताया कि लालढांग–चिल्लरखाल वन मोटर मार्ग की मांग को लेकर क्षेत्रीय जन पिछले 141 दिनों से आंदोलन कर रहे है। लेकिन, अभी तक कोई भी जनप्रतिनिधि व प्रशासन के लोग आंदोलनकारियों की सुध नहीं ले रहे है। कहा कि अभी तक सुप्रीम कोर्ट की रोक भी जस की तस बनी हुई है। वन्य जीव संरक्षण के साथ ही जनमानस के हितों के लिए एलिवेटेड रोड ही एक मात्र समाधान है, जिसको लेकर दो फरवरी को चिलरखाल से तहसील तक विशाल रैली निकाली जाएगी। उन्होंने क्षेत्रीय जनता से रैली को सफल बनवाने का आग्रह किया। इस मौके पर रविंद्र सौंद, गोर्वधन काला, पीतांबर, शिवचरण सौंद, मोहन सिंह नेगी, कृपाल सिंह, अमित अमोली मौजूद रहे।

उत्कृष्ट स्वयं सेवियों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः राजकीय कन्या इंटर कॉलेज (जीजीआईसी) में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर का शनिवार को समापन हो गया। शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली स्वयंसेवियों को अतिथियों ने सम्मानित किया। इस मौके पर प्रिया रावत को सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी चुना गया। समापन समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) रणजीत सिंह नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस युवाओं में सामाजिकता, अनुशासन और स्वेच्छा से सेवा भाव विकसित करता है। विशिष्ट अतिथि सभासद सुमन देवी व जिला खेल समन्वयक योगंबर नेगी ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में छात्राओं ने स्वागत गीत, बिहू व जौनसारी लोक नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दीं। छात्राओं ने शराब के नशे से परिवार व समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को दर्शाते हुए नुक्कड़ नाटक से सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम अधिकारी संगीता वाल्मीकि ने बताया कि प्रिया रावत को सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी, ममता व शीतल को सर्वाधिक सक्रिय स्वयंसेवी, प्रियांशी भंडारी को सबसे अनुशासित स्वयंसेवी घोषित किया गया। हेड गर्ल सिमरन रावत, श्रुति भंडारी, कुसुम एवं करिश्मा को भी उत्कृष्ट शिविरार्थी के रूप में सम्मानित किया गया।इस अवसर पर सह–कार्यक्रम अधिकारी कांति किमोठी, अक्षिता नेगी, रितिका, कंचन, मनीष कुमार आदि मौजूद रहे।

146 छात्र–छात्राओं ने दी भारत बौद्धिक ज्ञान परीक्षा

चमोली। रविवार को विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की ओर से अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित भारत बौद्धिक ज्ञान परीक्षा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुई। परीक्षा के लिए 210 छात्र–छात्राओं ने पंजीकरण किया था। इनमें से 146 छात्र–छात्राओं ने परीक्षा दी। सुबह 10 से 12 बजे तक हुई परीक्षा में भारत काल दर्शन, तत्व से ब्रह्मांड, सांख्य मान, भारतीय आरोग्य ज्ञान, प्रकृति और चेतना, वैदिक गणित, भारतीय चिकित्सा और शल्य चिकित्सा, भारतीय ज्ञान प्रणाली वास्तुशास्त्र आदि से संबंधित प्रश्न रहे।

जीआईसी कनखुल के छात्र–छात्राओं को दिए ट्रैक सूट और स्कूल बैग

चमोली। विकासखंड के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भजन सिंह तोपाल ने राजकीय इंटर कॉलेज कनखुल के 101 छात्र–छात्राओं को ट्रैक सूट वितरित किए। इसके अलावा बच्चों को स्कूल बैग और जूते भी दिए। संगठन के जिलाध्यक्ष गोविंद सिंह तोपाल ने बताया कि कर्मवीर बालम सिंह गुसाईं ट्रस्ट ने सभी 101 बच्चों को ट्रैक सूट, निर्मला गुसाईं तोपाल ने अपने पिता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की स्व. रूप सिंह तोपाल की पुण्य तिथि पर स्कूल बैग और कर्णप्रयाग के ज्वैलर्स रामबाबू ने छात्र–छात्राओं को जूते दिए।

जुर्माने के चेतावनी बोर्ड लगाने के बाद भी जनता को नहीं निगम का डर

शहर के मुख्य चौराहों के साथ ही गली- मोहल्लों में लगे गंदगी के ढेर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शहर को स्वच्छ व स्वस्थ बनाने के लिए नगर निगम लगातार प्रयास कर रहा है। बाजूवद कई लोग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे। हालत यह है कि नगर निगम की चेतावनी के बाद भी लोग सार्वजनिक स्थानों पर कूड़े का ढेर डाल रहे हैं। जबकि, नगर निगम ने सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा डालने वालों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए हुए हैं। साथ ही सड़क किनारे कई स्थानों पर चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं। चौंकाने वाली बात तो यह है कि इन चेतावनी बोर्ड के आसपास ही सबसे अधिक कूड़े का ढेर लगा रहता है।

कोटद्वार के देवी रोड में प्राथमिक विद्यालय सिताबपुर के समीप लगा कूड़े का ढेर

आमजन को सफाई के प्रति जागरूक करने के लिए नगर निगम की ओर से समय–समय पर अभियान चलाया जाता है। कुछ माह पूर्व ही नगर निगम ने स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया था। इसके तहत घर–घर जाकर लोगों को घरों से निकलने वाली गंदगी को निगम के कूड़े वाहनों में डालने की अपील की गई। लेकिन, अब भी कुछ ऐसे लोग हैं जो शहर की स्वच्छता पर पलीता लगा रहे हैं। घर-घर कूड़ा गाड़ी पहुंचने के बावजूद खाली प्लाट व सड़कों के किनारे गंदगी के ढेर डाले जा रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे लगाने व जुर्माने की चेतावनी के बाद भी यह लोग अपनी इन हरकतों से बाज नहीं आ रहे है। हालांकि पूर्व में नगर निगम सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा डालने वालों के खिलाफ चालान की कार्रवाई भी कर चुका है। सबसे बुरी स्थिति ऊर्जा निगम को जाने वाले मार्ग, देवी रोड, मानपुर रोड, गाड़ीघाट क्षेत्र में बनी रहती है।

चालीस फीसद घरों से आ रहा कूड़ा

कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के चालीस वार्डों में करीब 45 हजार मकान है। जहां करीब डेढ़ लाख की आबादी रहती है। घर-घर से कूड़ा एकत्रित करने के लिए नगर निगम की ओर से प्रत्येक वार्ड में कूड़ा वाहनों का संचालन किया जा रहा है। प्रतिदिन सैकड़ों टन कूड़ा वार्डों से एकत्रित कर उसे गाड़ीघाट ट्रैंचिंग ग्राउंड तक पहुंचाया जाता है।जहां कबड़ा अलग कर अवशेष की खाद बनाई जाती है। नगर निगम डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन के एवज में घरों से महीने का तीस रुपये चार्ज वसूलता है। लेकिन, शहर के मात्र चालीस फीद घरों से ही निगम के वाहनों में कूड़ा डाला जा रहा है। आज भी कई लोग खाली प्लाट व सड़क पर कूड़ा डाल रहे हैं। जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है।

राजेश जदली जिला मंत्री व नीरज आर्य बने जिला संयोजक

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वारः विश्व हिंदू परिषद व बजरंगदल की पुरानी कार्यकारणी को भंग करते हुए नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। इस दौरान राजेश जदली को विश्व हिंदू परिषद का जिला मंत्री व नीरज आर्य को बजरंगदल का जिला संयोजक बनाया गया।जिला संगठन मंत्री विकास की अध्यक्षता में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल की बैठक आयोजित की गई। सर्वसम्मति से राजेश जदली को विश्व हिंदू परिषद का जिला मंत्री व नीरज आर्य को बजरंग दल का जिला संयोजक बनाया गया। इसके अलावा राधेश्याम शर्मा को विहिप का नगर अध्यक्ष, कोमल राणा को बजरंग दल का सहसयोंजक, भारत भूषण व कुलदीप रावत को विहिप का जिला सहमंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। प्रशांत बिष्ट को बजरंग दल का नगर संयोजक, उपेंद्र कुमार को बजरंग दल का सह संयोजक, राजीव कुमार को बजरंग दल का नगर विद्यार्थी प्रमुख बनाया गया है। आकाश प्रजापति को बजरंग दल का नगर बलोपासना प्रमुख, करन सिंह को बजरंग दल का मिलन प्रमुख, शुभम को बजरंग दल का सह मिलन प्रमुख व दीपक केर्दवाल को विहिप का नगर उपाध्यक्ष बनाया गया।

चार वर्ष बीत जाने के बाद भी पानी को तरस रहे ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः रामकुंड-कादेखाल पंपिंग पेयजल योजना को बने करीब चार साल बीत जाने के बावजूद विकासखंड कोट के 10 से 12 गांवों में आज तक घरों तक पानी नहीं पहुंच पाया है। सबदरखाल, कोटा, चमोली, पाबौ, ध्यानी, धमुंड और चपरोली समेत गांवों की करीब एक हजार से अधिक आबादी लंबे समय से पेयजल संकट से जूझ रही है। हैरानी की बात यह है कि सभी गांवों में पेयजल लाइन बिछाए जाने के आधार पर विभाग की ओर से पानी के बिल भेजने की तैयारी की जा रही है, जबकि कई गांवों में अब तक एक बूंद पानी भी आपूर्ति नहीं हो पाई है। ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए हैंडपंपों और प्राकृतिक जलस्त्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि योजना के तहत पंप को प्रतिदिन कम से कम 16 घंटे चलाया जाना चाहिए, लेकिन मानव संसाधन की कमी के चलते पंप केवल 5 से 6 घंटे ही चल पा रहे हैं, जिससे कई गांवों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। गौरतलब है कि जिन गांवों में बीते चार साल से पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई है, वहां भी केवल लाइन बिछने के आधार पर बिल वसूली की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसी बीच जल निगम ने बिलिंग प्रक्रिया शुरू करने के लिए उपभोक्ताओं से आधार कार्ड मंगवाने शुरू कर दिए हैं। बताया गया कि इस गंभीर समस्या को लेकर अभियंताओं ने 17 जनवरी के बाद सबदरखाल कस्बे में बैठक बुलाने की बात कही थी, लेकिन वह बैठक भी अब तक नहीं हो सकी है।

गर्व शर्मा का छात्रवृत्ति के लिए हुआ चयन

कोटद्वारः कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सिगड्डी स्थित राजकीय इंटर कालेज के छात्र गर्व शर्मा का श्रीदेव सुमन छात्रवृत्ति के लिए चयन हो गया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य शोबेंद्र जोशी ने बताया कि यह छात्रवृत्ति आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय साधन सहयोग्यता (एमएमएमएस) के अंतर्गत प्रदान की जाती है। कहा कि इस परीक्षा के माध्यम से उत्तराखंड के प्रत्येक विकासखंड से अधिकतम पांच मेधावी छात्रों का चयन किया जाता है, जिसमें विद्यालय के गर्व शर्मा भी शामिल हैं। बताया कि बीती 16 दिसंबर को आयोजित परीक्षा में गर्व शर्मा ने ब्लाक दुगड्डा में 180 में से 103 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

जामणी और स्यांसू ने नशे पर लगाया प्रतिबंध

– नियमों का उल्लंघन करने पर ग्राम पंचायत वसूलेगी अर्थदंड

नई टिहरी। थौलधार के ग्राम पंचायत जामणी व स्यांसू के लोग भी शराबबंदी के मुहिम में शामिल हो गए। दोनों ग्राम पंचायतों की बैठक में शादी–विवाह और नामकरण, जन्म दिन और धार्मिक आयोजनों के दौरान गांव में कॉकटेल पार्टी आयोजन करने पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है।

उल्लंघन करने पर 51 हजार रुपये अर्थदंड लगाने का निर्णय लिया है। ग्राम पंचायत जामणी में प्रधान सुमन बाला की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि ग्राम पंचायत के अंतर्गत होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रमों में अब शराब पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। यदि कोई व्यक्ति शादी–विवाह और अन्य धार्मिक आयोजनों में मेहमानों को शराब परोसता हुआ मिला तो उसे ग्राम पंचायत 51 हजार अर्थदंड वसूल करेगी। बैठक में कीर्ति बरवाण, जय प्रकाश नौटियाल, भारत सिंह, महिपाल सिंह, शैलेंद्र दत्त, रोशन लाल, मधु देवी, अनीता देवी, सुषमा देवी, रूक्मणी देवी, विजय पाल आदि मौजूद रहे। दूसरी ओर, ग्राम पंचायत स्यांसू के ग्राम स्यांसू की बैठक प्रधान रीना देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों ने सार्वजनिक कार्यक्रमों में नशे के बढ़ते प्रचलन पर चिंता जताई। शादी–विवाह में कॉकटेल पार्टी आयोजन का सबसे अधिक बुरा असर युवाओं पर पड़ रहा है।

आज से रात के समय बंद रहेगा हाईवे पर आवागमन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः पौड़ी नेशनल हाईवे पर गुमखाल व सतपुली के बीच चल रहे चौड़ीकरण कार्य के कारण दो से पांच फरवरी तक रात को यातायात बंद रहेगा। सतपुली मल्ली के पास किमी 188.5 पर भू–धंसाव के कारण पहाड़ी पर बोल्डर लटके होने और उनसे दुर्घटना की आशंका के कारण यह निर्णय लिया गया है। एनएच खंड और उसकी कार्यदायी एजेंसी इन चार दिनों में रात को 9 से सुबह 6 बजे तक लटके बोल्डरों को हटाएगा।

एनएच खंड लोनिवि धुमाकोट के अधिशासी अभियंता जितेंद्र कुमार ने बताया कि दो से पांच फरवरी तक रात्रि के समय यातायत हाईवे के बजाय वैकल्पिक मार्ग सतपुली– कांडाखाल–सिसल्डी–डेरियाखाल पर डायवर्ट रहेगा। दस दिन पूर्व सतपुली मल्ली के पास इसी स्थान पर भारी भरकम बोल्डरों के गिरने से हाईवे पर तीन दिन तक आवाजाही ठप हो गई थी। वैकल्पिक मार्ग से सतपुली से कोटद्वार की कुल दूरी 54 किमी के बजाय 97 किमी पड़ेगी। दिन के समय हाईवे पर सामान्य ढंग से आवाजाही रहेगी।

गुमखाल-सतपुली के मध्य हाईवे पर आया बोल्डर, बंद रहा यातायात

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः रविवार सुबह गुमखाल-सतपुली के मध्य पहाड़ी से एक भारी बोल्डर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गिर गया। जिसके कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर नौ घंटे तक यातायात पूरी तरह बंद रहा। कोटद्वार व सतपुली के मध्य आवागमन करने वाले वाहनों को कांडाखाल-सिसल्डी-लैंसडौन रूट से आवागम करना पड़ा।

मालूम हो कि, गुमखाल-सतपुली के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ी करण का कार्य चल रहा है। मार्ग पर जेसीबी व पोकलेंड मशीनों से पहाड़ी को काटने का कार्य चल रहा है।

रविवार सुबह करीब पांच बजे सतपुली मल्ली के समीप एक भारी बोल्डर सड़क पर आ गया था। जिसके कारण राष्ट्रीय रामार्ग पर वाहनों के आवागमन को बंद करना पड़ा। घंटों मार्ग पर फंसे वाहन भी वापस सतपुली व गुमखाल पहुंच और वैकल्पिक मार्ग

गुमखाल–सतपुली के मध्य बोल्डर आने से सतपुली क्षेत्र में लगा वाहनों का जाम

कांडाखाल-सिसल्डी- लैंसडौन रूट से आवागमन किया। वहीं, मार्ग बंद होने के कारण सतपुली–दुधारखाल मार्ग पर वाहनों का भारी जाम लगा हुआ था। पूरे दिन मार्ग पर वाहन रेंग-रेंग कर चलते रहे। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए पुलिस को पसीना बहाना पड़ा। दोपहर में करीब दो बजे के बाद बोल्डर साफ होने से यात्रियों को राहत मिली।

भूखंडों का स्वामित्व दर्ज कराने के लिए प्रशासन ने बढ़ाई 15 दिन की समय सीमा

नई टिहरी। टिहरी बांध से प्रभावित नई टिहरी नगर क्षेत्र के लोगों को भूखंडों के स्वामित्व को सरकारी अभिलेखों में दर्ज कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से 15 दिन की समय सीमा बढ़ा दी गई है। उन्हें पुरानी टिहरी शहर में निवास का प्रमाणपत्र बिजली का बिल, राशन कार्ड और वोटर कार्ड दस्तावेज टिहरी तहसील कार्यालय में जमा करने होंगे। पुनर्वास निदेशक / जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने बताया कि नई टिहरी शहर में पुनर्वास के अंतर्गत आवंटित सभी भूखंडों व आवासीय भवनों के स्वामित्व को सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज कराने का कार्य एक जनवरी से चल रहा है। अभियान के दौरान अब तक 44 लोगों ने अपने भूखंडों से संबंधित आवश्यक दस्तावेज तहसील टिहरी में जमा कराए हैं। उक्त दस्तावेजों को जांच के लिए पुनर्वास कार्यालय भेजा गया है। जहां सत्यापन के बाद उन्हें आगे की कार्रवाई हेतु तहसील को प्रेषित किया जाएगा। पुनर्वास निदेशक नितिका ने बताया कि जिन लोगों ने अभी तक अपने भूखंडों का स्वामित्व सरकारी अभिलेखों में दर्ज नहीं कराया है। वे आगामी 15 दिनों के तहसील टिहरी में आवश्यक दस्तावेज जमा कर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। यदि भूखंड का स्वामित्व सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज नहीं होता है तो भविष्य में संपत्ति से जुड़े कानूनी मामलों, प्रशासनिक कार्यों व विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी आ सकती है। जिन मामलों में मूल आवंटी की मृत्यु हो चुकी है। उन्हें उत्तरजीवी प्रमाणपत्र और मृत्यु प्रमाणपत्र जमा करना होगा। साथ ही इस आशय का एक शपथ पत्र भी नोटरी के माध्यम से देना होगा कि संबंधित आवास का किसी भी स्तर पर विक्रय नहीं किया गया है। निर्धारित अवधि में दस्तावेज जमा कराने वाले पात्र व्यक्तियों के मामलों में प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर आवंटनपत्र या संशोधित आवंटनपत्र जारी किए जाएंगे। पुनर्वास निदेशक ने बताया कि प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं। सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर आवेदन करने वाले मामलों का शीघ्र निस्तारण किया जाएगा।

छात्रवृत्ति के लिए पांच छात्र–छात्राओं का चयन

चमोली। एससीईआरटी की ओर से आयोजित राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा में नंदानगर ब्लॉक के सुदूरवर्ती राजकीय जूनियर हाईस्कूल स्यांरी–भेंटी के पांच छात्र–छात्राओं का चयन हुआ है। इसके साथ ही डॉ. शिवानंद नौटियाल छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए भी इन्हीं छात्र–छात्राओं का चयन हुआ है। विद्यालय परिवार की ओर से चयनित छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यालय के सह अध्यापक टीका प्रसाद सेमवाल ने बताया कि कक्षा 8वीं के अशोक सिंह, रिया, कल्पना, आदित्य भेंटवाल और रविंद्र सिंह का चयन छात्रवृत्ति के लिए हुआ है।

शैलेश थपलियाल सिटी बैंक न्यूयॉर्क में निदेशक बने

चमोली। पूर्व प्रधानाचार्य नंदराम थपलियाल के सबसे छोटे बेटे शैलेश थपलियाल सिटी बैंक न्यूयॉर्क के निदेश-ाक बने हैं।

उनके निदेशक बनने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इसके अलावा उनके दोनों बेटे मनोज डेल सॉफ्टवेयर कंपनी में निदेशक और दूसरे बेटे संतोष यूनियन बैंक के निदेशक हैं। उन्होंने बताया कि उनके तीनों बच्चों की प्राथमिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर थराली, माध्यमिक राजकीय इंटर कॉलेज थराली से हुई है। निदेशक बनने पर थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, मंडल अध्यक्ष वींरेंद्र सिंह बिष्ट, सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य भगवती प्रसाद गोस्वामी, भरत शाह, गंगा सिंह बिष्ट, पूर्व विधायक डॉ. जीतराम, नगर पंचायत अध्यक्ष सुनीता रावत, व्यापार संघ अध्यक्ष संदीप रावत आदि ने खुशी जताई।

सकल हिंदू एकता मंच की ओर से विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित

चमोली। सकल हिंदू एकता मंच की ओर से विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। इस दौरान पौराणिक और वैदिक पद्धति पर चलने का संकल्प लेने का आह्वान किया गया।

इस दौरान आयोजकों ने यूथ फिजीकल एकेडमी के संस्थापक अनिल नेगी, मेधावी छात्र अंकुश पुरोहित और पर्यावरण मित्र ब्रह्मपाल तथा सोनू को सम्मानित भी किया। मुख्य बाजार में आयोजित सम्मेलन के शुभारंभ पर उमा पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मुख्य वक्ता उमा माहेश्वर आश्रम के महंत ऐश्वर्यनाथ महाराज ने कहा कि हिंदू धर्म वेद और पुराणों का ध्वज वाहक है। उन्होंने लोगों से अपनी सनातन सांस्कृतिक की पौराणिक परंपराओं और पद्धति को अक्षुण रखने की अपील की। सम्मेलन में राष्ट्रीय सेवक संघ के विभाग संचालक राजेंद्र सिंह भंडारी ने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपरा सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया की रही है। सेनि शिक्षिका निमीलिता नेगी ने कहा कि हिंदू धर्म में जीवन के सोलह संस्कार और पतिव्रता महिलाओं के सोलह श्रृंगार की अलग ही महत्ता है। प्रवीण शर्मा और दिनेश कुनियाल के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में संघ के जिला प्रचारक पीयूष, भगवती प्रसाद बेंजवाल, मुरलीधर चंदोला, विष्णु दत्त भट्ट, डॉ. प्रदीप पुंडीर, गोपाल दत्त मंमगांई, भरत दानू, अरुण मैठाणी, हरीश सती, बृजेश बिष्ट, अनुज डिमरी, प्रह्लाद सती सहित आरएसएस, विहिप, बजरंग दल, भाजपा, एबीवीपी के कार्यकर्ता एवं महिलाएं शामिल थीं।

गोला पार्क में जस्टिस फॉर अंकिता कमेटी ने की जनसभा

श्रीनगर गढ़वाल। अंकिता भंडारी के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए चल रहे जन आंदोलन के समर्थन में रविवार को गोला पार्क में जस्टिस फॉर अंकिता कमेटी ने जनसभा की। कार्यक्रम की शुरुआत ऑल इंडिया डीएसओ के कार्यकर्ताओं ने जनगीत हम भारत की बेटी हैं... से की। जनसभा में वक्ताओं ने कहा कि इस आंदोलन में विभिन्न सामाजिक संगठनों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। रामनगर से पहुंचीं उत्तराखंड महिला मंच की महिलाओं के साथ ही स्थानीय राज्य आंदोलनकारी भी आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल हैं। वक्ताओं ने कहा कि यह किसी व्यक्ति या संगठन विशेष का आंदोलन नहीं है बल्कि यह जनता का आंदोलन है जिसमें बेटियों और बच्चों की सुरक्षा का सवाल जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि आंदोलन किसी राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित है जबकि ऐसा नहीं है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह आंदोलन को भटकाने की कोशिश कर रही है। वक्ताओं ने मांग की कि पूरे मामले की सीबीआई जांच कराई जाए और जांच सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की निगरानी में हो ताकि निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित किया जा सके। इस मौके पर उत्तराखंड महिला मंच की ललिता रावत, राज्य आंदोलनकारी राजेंद्र रावत, अनिल दत्त तिवाड़ी, एलयूसीसी से जुड़ीं आंदोलनकारी महिलाएं, वर्तमान छात्र संघ उपाध्यक्ष शिवांक नौटियाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

दो बच्चों की आर्थिक मदद की

चमोली। ब्लॉक के डिम्मर गांव के युवाओं ने विगत दिनों गांव के रयाल तोक के दो बच्चों को खाद्य सामग्री और आर्थिक सहयोग किया। इन बच्चों के माता–पिता नहीं हैं। गांव के सामाजिक कार्यकर्ता सुबोध डिमरी ने बताया कि विगत सप्ताह रयाल तोक की किरण देवी का निधन हो गया था। उनके पति हरीश लाल का भी विगत 10 वर्ष पूर्व आकस्मिक निधन हो गया था। ऐसे में डिम्मर गांव के युवाओं संतोष डिमरी, पूर्व क्षेपंस संदीप डिमरी, पुनीत डिमरी, अमित खंडूड़ी, पवन डिमरी, संदीप डिमरी, रविंद्र खंडूड़ी आदि ने सामूहिक रूप से धन एकत्र कर आर्थिक संकट से जूझ रहे दोनों बच्चों को खाद्य सामग्री और समुचित धनराशि दी।

बिना सहमति मेला आयोजन पर भड़के व्यापारी, बाजार में किया प्रदर्शन

नई टिहरी। राजकीय महाविद्यालय परिसर में नगर पंचायत की पहल पर आयोजित किए जा रहे सात दिवसीय नगर महोत्सव मेले का व्यापारियों ने विरोध किया है। मेले के विरोध में व्यापार मंडल लंबगांव ने प्रदर्शन किया। नगर पंचायत के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मेले को तत्काल स्थगित करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के बाद व्यापारियों ने एसडीएम अंकित राज के माध्यम से डीएम को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया कि यदि नगर महोत्सव मेला स्थगित नहीं किया गया तो आज सोमवार को संपूर्ण लंबगांव बाजार बंद कर चक्काजाम किया जाएगा। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पंवार ने कहा कि नगर पंचायत ने व्यापार मंडल की कार्यकारिणी और स्थानीय व्यापारियों

से बिना किसी विचार–विमर्श के मेले का आयोजन कर दिया है। मेले में बाहरी व्यापारियों को दुकानें आवंटित की गई है जिससे स्थानीय व्यापारियों का व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। व्यापारियों ने कहा कि वे विकास या आयोजन के विरोध में नहीं हैं लेकिन व्यापारियों के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। व्यापारियों की मांग है कि मेला तत्काल स्थगित किया जाए या फिर व्यापार मंडल से बातचीत कर समाधान निकाला जाए। प्रदर्शनकारियों में टैक्सी यूनियन अध्यक्ष यशपाल सिंह राणा, व्यापार मंडल कोषाध्यक्ष अमन राणा, सचिव विजय धनाई, पूर्व अध्यक्ष युद्धवीर राणा, आशीष रावत, चंद्रभानु बगियाल, पूर्व सभासद सौरभ रावत, रविंद्र पोखरियाल शामिल रहे।

स्थायी राजधानी गैरसैंण समिति ने प्रदर्शन किया

रुद्रप्रयाग। गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने की मांग के लिए स्थायी राजधानी गैरसैंण समिति ने रैली निकाली और प्रदर्शन किया। इसके बाद गुलाबराय मैदान में धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार से राज्य के बजट सत्र में गैरसैंण को राजधानी बनाने की घोषणा करने की मांग की। कहा कि अब समय आ गया है जब जनता को पहाड़ की राजधानी पहाड़ में ही बनाने के लिए एकजुट होकर बड़ा आंदोलन करना होगा। स्थायी राजधानी गैरसैंण समिति के संयोजक पूर्व आईएएस विनोद रतूड़ी के नेतृत्व में आयोजित जनसभा में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस ने राज्य की जनता को राज्य गठन से लेकर 25 वर्षों तक छलने का काम किया है। अब समय आ गया कि जनता को पहाड़ की राजधानी पहाड़ में बनाने के लिए

एकजुट होकर बड़ा आंदोलन करने की जरूरत है। सरकार की ओर से गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने की दिशा में यदि अब ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो जनता सड़कों पर उतरेगी। वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश के जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ ही प्रदेश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए हमें एकजुट होकर भाजपा–कांग्रेस के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष संतोष रावत, सामाजिक कार्यकर्ता जगदंबा नौटियाल, राज्य आंदोलनकारी हयात सिंह राणा ने भी प्रदर्शन में शामिल होकर राजधानी निर्माण की मांग को समर्थन दिया।

जीआईसी किलकिलेश्वर ने जीता कबड्डी का मुकाबला

श्रीनगर गढ़वाल। रोटरी क्लब श्रीनगर की ओर से विद्यालय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता का समापन एनआईटी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में हुआ। प्रतियोगिता में बालक और बालिका वर्ग में जीआईसी किलकिलेश्वर ने जीत दर्ज की। प्रतियोगिता में बालक वर्ग की 11 तथा बालिका वर्ग की 9 टीमों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि प्रो. विमल शर्मा (डीन, फैकल्टी वेलफेयर, एनआईटी) रहे। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम हैं बल्कि अनुशासन, टीम भावना और जीवन मूल्यों को भी सिखाते हैं। बालिका वर्ग का फाइनल मुकाबला राजकीय इंटर कॉलेज किलकिलेश्वर और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज श्रीनगर के बीच खेला गय, जिसमें जीआईसी किलकिलेश्वर ने प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। वहीं बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला राजकीय इंटर कॉलेज किलकिलेश्वर एवं सरस्वती विद्या मंदिर मढ़ी चौरास के बीच हुआ जिसमें जीआईसी किलकिलेश्वर विजेता रहा।

विजयनगर में सुचारु होगा यातायात

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के महत्वपूर्ण पड़ाव अगस्त्यमुनि के विजयनगर बाजार में हाईवे पर लंबे समय से परेशानी का सबब बने गदेरे से आगामी यात्राकाल से पहले निजात मिल जाएगी।

व्यापारियों और जनता की निरंतर मांग पर एनएच विभाग ने यहां गॉज–वे निर्माण की तैयारी शुरू कर दी है। इससे बरसात के पानी की उचित निकासी सुनिश्चित होगी और चारधाम यात्रा सुचारु रूप से संचालित हो सकेगी। विजयनगर में इस बरसाती गदेरे के कारण लोगों और यात्रियों को रोजाना भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सड़क पर फिसलन होने और गहरे गड्ढे होने से दोपहिया और चौपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बना रहता है। मगर अब यहां सड़क निर्माण के लिए गॉज–वे को गहरा किया जाएगा और दोनों तरफ 2 मीटर का स्पान रखा जाएगा, जिसे आरसीसी की मदद से सुदृढ़ किया जाएगा। नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र गोस्वामी ने बताया कि इस संबंध में व्यापारियों और स्थानीय लोगों की एनएच के अधिकारियों के साथ वार्ता हुई है। वहीं व्यापार संघ अध्यक्ष त्रिभुवन नेगी ने कहा कि इस निर्माण से न केवल बरसात में यातायात सुचारु रहेगा बल्कि स्थानीय व्यापार पर पड़ने वाला प्रतिकूल प्रभाव भी कम होगा। वहीं एनएच के सहायक अभियंता कमल किशोर उनियाल ने बताया कि व्यापारियों से वार्ता के बाद इस कार्य को फरवरी माह में शुरू कर दिया जाएगा ताकि आगामी यात्रा सीजन में श्रद्धालुओं को सुविधा हो।

कैरम में रघुवीर और प्रसाद की जोड़ी बनी विजेता

नई टिहरी। पूर्व पालिकाध्यक्ष व राज्यांदोलनकारी स्व. राकेश सेमवाल और स्व. गंभीर सिंह कठैत की स्मृति में क्लीन हिमालय ग्रीन हिमालय पहल पर बौराड़ी में ओपन कैरम और शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कैरम में रघुवीर सिंह और प्रसाद की जोड़ी, शतरंज में विनोद सिंह विजेता बने।

पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। कहा कि युवाओं को खेल से जोड़ने के लिए वह योजना बना रहे हैं। खासकर खेल मैदान तैयार करना उनकी प्राथमिकता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

यातायात नियमों के उल्लंघन पर 14 वाहनों के चालान

चमोली। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत रविवार को परिवहन विभाग ने कर्णप्रयाग, चमोली, पीपलकोटी, ज्योतिर्मठ और औली में वाहनों की चेकिंग की। संभागीय परिवहन अधिकारी अभिषेक भटगांई ने बताया कि पर्यटक स्थल औली बुग्याल में अवैध रूप से संचालित किए जा रहे वाहनों की शिकायत पर विभागीय कर्मियों की ओर से वाहनों की चेकिंग की जा रही है। रविवार को वाहनों के फिटनेस, प्रदूषण और बीमा प्रमाणपत्र नहीं होने, ओवर लोडिंग, ओवर स्पीड चालकों की ओर से सीट बेल्ट, हेलमेट नहीं पहनने आदि नियमों की अवहेलना पर 14 चालान किए गए। इनसे 37 हजार रुपये का अर्थदंड वसूला गया।

एसएसआई संजय और एसआई मानवेंद्र बने मैन ऑफ द मंथ

चमोली। विगत माह उत्कृष्ट कार्य करने पर कर्णप्रयाग कोतवाली में तैनात वरिष्ठ उपनिरीक्षक संजय नेगी और चौकी प्रभारी गौचर एसआई मानवेंद्र गुसांई को पुलिस मैन ऑफ द मंथ चुना गया। उन्हें प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पंवार ने बताया की जिले में अपराध नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था, ऑपरेशन स्माइल, साइबर अपराध आदि मामलों में पुलिस के अधिकारी और जवान पूरी निष्ठा और समर्पण से कार्य कर रहे हैं।

रामलीला मैदान के पास पुश्ता क्षतिग्रस्त

चमोली। अपर बाजार में रामलीला मैदान के पास सड़क का पुश्ता बीते बरसात से क्षतिग्रस्त पड़ा है। इससे आवाजाही के साथ ही रामलीला मैदान और यहां स्थित शहीद स्मारक को खतरा बन गया है। अपर बाजार व्यापार संघ अध्यक्ष अनिल खंडूड़ी, सभासद हेमा डिमरी आदि ने कहा कि लोनिवि से लगातार शिकायत के बाद भी पुश्ते का निर्माण नहीं किया गया। वहीं लोनिवि के ईई अनूप सिंह ने बताया कि पुश्ता निर्माण के लिए इस्टीमेट तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजा गया है। स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण किया जाएगा।

विश्व कैंसर दिवस पर रन फॉर लाइफ का आयोजन

देहरादून। विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता के लिए हुई रन फॉर लाइफ में सैनिक और आमलोग दौड़े। दून सैनिक इंस्टीट्यूट गढ़ी में रविवार सुबह रन फॉर लाइफ, वॉक फॉर होप थीम पर छह किलोमीटर की दौड़ और वॉकाथॉन का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने दौड़ लगाकर समाज को कैंसर के प्रति जागरूक रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। उत्तराखंड सब एरिया की ओर से में सैन्य अस्पताल देहरादून और श्री महंत इंदिरेश अस्पताल के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सैन्य अस्पताल के कमांडेंट ब्रिगेडियर प्रफुल्ल मोहन और इंदिरेश अस्पताल के ऑन्कोलॉजी सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. पंकज ने किया। समापन पर पुरुष व महिला वर्ग के विजेताओं को सम्मानित किया गया। मेडिकल छात्रों में से सर्वश्रेष्ठ छात्र धावक को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इनमें भारतीय सेना के जवान, उनके परिवारजन और अस्पताल के मेडिकल छात्र शामिल रहे।

धोखाधड़ी के आरोप में पूर्व सैनिक पर केस दर्ज

देहरादून। सेना के रिटायर लांस नायक के खिलाफ नौकरी के दौरान का पहचान पत्र रखने और अन्य धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज हुआ है। सेना के मेजर की शिकायत पर क्लेमनटाउन थाना पुलिस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसओ क्लेमनटाउन मोहन सिंह ने बताया कि मेजर विशाग सीपी ने तहरीर दी। कहा कि रिटायर लांस नायक प्रेम सिंह पुत्र लखपत सिंह निवासी गोपेश्वर, चमोली के पास सेना के सेवा काल का पहचान पत्र पाया गया। नियमानुसार सेवानिवृत्ति के बाद यह पहचान पत्र विभाग की संपत्ति होती है और इसे पास रखना कानूनन अपराध है।। इसके अतिरिक्त आरोपी के पास से दो कैंटीन स्टोर डिपार्टमेंट कार्ड भी मिले। जो नायक अब्बल सिंह और दिवंगत सिपाही प्रदीप सिंह की पत्नी जयंती देवी के नाम पर जारी थे।

प्रकाश पर्व पर शबद कीर्तन से निहाल हुई संगत

देहरादून। गुरुद्वारा नामधारी सभा की ओर से बसंत पंचमी और श्री सतिगुरु राम सिंह जी के प्रकाश पर्व पर शबद कीर्तन किया गया। रविवार को प्रेम नगर स्थित नामधारी गुरुद्वारे में प्रकाश पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह सवेरे गुरुद्वारे में स्कूली बच्चों ने कीर्तन किया। संत हरपाल सिंह लुधियाना वालों ने संगत को शबद कीर्तन से निहाल किया।

20 फ़रवरी तक बढ़ाई गई जन—जन की सरकार, जन—जन के द्वार अभियान की अवधि

— कोई क्षेत्र नहीं रहेगा वंचित: मुख्यमंत्री धामी के निर्देश पर सभी जिलों में फिर लगेंगे जनसेवा कैंप

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में राज्य सरकार द्वारा जनसेवा को और अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं व्यापक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और शासन को जन—जन के और अधिक निकट लाने के उद्देश्य से संचालित ह्लजन—जन की सरकार, जन—जन के द्वारह्व अभियान की अवधि को आगे बढ़ा दिया गया है। मुख्यमंत्री धामी के मार्गदर्शन में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह अभियान अब 20 फरवरी 2026 तक प्रदेश के सभी जनपदों में संचालित किया जाएगा। इससे पूर्व यह अभियान 31 जनवरी 2026 तक निर्धारित था, जिसे जनता की सकारात्मक प्रतिक्रिया और कैंपों में बड़ी संख्या में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं सुझावों के प्रभावी निस्तारण को देखते हुए 20 दिनों के लिए विस्तारित किया गया है। अब तक हजारों लोगों को मिला सीधा लाभ : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जन—केन्द्रित सोच का परिणाम है कि 17 दिसंबर 2025 से प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे इन कैंपों के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। राजस्व, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस, नगर निकाय सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों का त्वरित निस्तारण कर जनता को राहत दी जा रही है।

छूटे हुए क्षेत्रों को भी किया जाएगा आच्छादित : मुख्यमंत्री धामी ने निर्देश दिए हैं कि जिन क्षेत्रों में अब तक अभियान के अंतर्गत कैंप आयोजित नहीं हो पाए हैं, उन्हें भी विस्तारित अवधि में अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, ताकि प्रदेश का कोई भी नागरिक इस जनसेवा अभियान से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री का स्पष्ट संदेश : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि शासन जनता के द्वार तक पहुंचे।उन्होंने कहा कि ह्लजन—जन की सरकार, जन—जन के द्वारह्व अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता और सरकार के बीच विश्वास का सेतु है। हर नागरिक की समस्या का समाधान सरकार की जिम्मेदारी है और इसके लिए हम पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं।

जिलाधिकारियों को दिए गए निर्देश : मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार सभी जिलाधिकारियों को अभियान की कार्यक्रम—रूपरेखा शीघ्र सामान्य प्रशासन विभाग को उपलब्ध कराने तथा नियमानुसार कैंपों के आयोजन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे अभियान को सुचारु, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सके। यह अभियान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार की संवेदनशील, जवाबदेह और जन—समर्पित शासन व्यवस्था का सशक्त उदाहरण बनकर उभर रहा है। जन—जन की सरकार, जन—जन के द्वार अभियान हमारी सरकार की जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। शासन को जनता के द्वार तक पहुंचाना और हर नागरिक की समस्या का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है।

राज्यपाल के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखद जीवन की कामना की

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज लोकभवन पहुँचकर राज्यपाल, लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) को उनके जन्मदिन के अवसर पर शुभकामनाएँ एवं बधाई दीं। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखद जीवन की कामना की।

बस और टैक्सी यूनियन के लोगों को दिलाई सड़क सुरक्षा की शपथ

उत्तरकाशी। परिवहन विभाग की ओर से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 मनाया जा रहा है। सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा अभियान के तहत गंगा और यमुनाघाटी में विभिन्न यूनियन के पदाधिकारियों, चालक व परिचालकों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। साथ ही परिवहन विभाग के अधिकारियों ने यूनियन के लोगों को सड़क सुरक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। परिवहन विभाग की ओर से रविवार को सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा अभियान के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। चिन्यालीसौड़ में नागराजा टैक्सी, मैक्सी यूनियन में सभी पदाधिकारियों और वाहन चालकों को परिवहन विभाग की टीम ने सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई। इस दौरान जिम्मेदारी से वाहन का संचालन करने का आग्रह किया गया एवं फर्स्ट एड किट प्रदान की गई। वहीं परिवहन कार्यालय उत्तरकाशी में लाइसेंस बनाने आए लोगों को भी जागरूक किया गया व शपथ दिलाई गई। परिवहन विभाग की टीम ने नशे में वाहन संचालन पर, ओवरलोडिंग पर, मोबाइल पर बात करना, बिना हेलमेट, ट्रिपल राइडिंग, बिना फिटनेस वाले वाहन भी चेक किए। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी उत्तरकाशी सुवर्णा नौटियाल ने बताया कि 16 जनवरी से अभियान जारी है।

आगामी 2027 में विस चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं : केदार

उत्तरकाशी। यमुनोत्री से पूर्व विधायक रहे केदार सिंह रावत ने कहा कि वह आगामी 2027 विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। जनता का आशीर्वाद मिला तो उनके कार्यकाल में जो क्षेत्र के अधूरे विकास कार्य रह गए थे उन्हें आने वाले समय में पूरी शिद्दत के साथ पूरा किया जाएगा। बड़कोट में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में रावत ने कहा कि वह सामाजिक व राजनीतिक जीवन में पिछले 40 सालों से लगातार जुड़े हुए हैं। राज्य बनने के बाद उन्होंने सभी विधानसभा चुनाव लड़े हैं और आगे 2027 में आने वाले चुनाव में भी क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ता चाह रहे हैं कि मैं चुनाव लड़ूं, जिसके लिए तैयार हूँ। साथ ही उन्होंने कहा कि उनके द्वारा ओबीसी को केंद्रीय अनुसूची में शामिल करवाने व वनवासी वन अधिनियम लागू करवाने का काम किया है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किये गए विकास कार्यों को भी गिनाया। ऐतिहासिक तिलाड़ी शहीद स्थल पर विकास कार्य करने, धार्मिक स्थल गंगानी में सौंदर्यकरण, सुरक्षात्मक, यमुनोत्री धाम के प्रमुख पड़ावों बडकोट, जानकीचट्टी में पार्किंग निर्माण आदि विकास कार्य उन्होंने किए।

संत शिरोमणि रविदास महाराज की 649वीं जयंती धूमधाम से मनाई

ऋषिकेश। उत्तराखंड दलित विकास महासभा ने संत शिरोमणि रविदास महाराज की 649 वीं जयंती धूमधाम से मनाई। वक्ताओं ने लोगों से संत रविदास के बताए मार्गों पर चलने का आह्वान किया। रविवार को आईएसबीटी ऋषिकेश में उत्तराखंड दलित विकास महासभा द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें संत शिरोमणि रविदास महाराज रविदास महाराज की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया।

महासभा के प्रदेश अध्यक्ष नंदकिशोर जाटव ने कहा कि संत गुरु रविदास ने मन चंगा तो कठौती में गंगा का संदेश दिया था। उन्होंने हमेशा यही प्रेरणा दी है कि हम सबको सच्चाई के रास्ते पर चलना चाहिए और संत महात्माओं दीन दुखियों की सेवा करने से ही ईश्वर की प्राप्ति होती है। वह पतित पावनी मां गंगा के परम भक्त थे। मां गंगा सदैव उन्हें दर्शन देने के लिए प्रकट हो जाती थी। इससे उनकी महानता का अंजादा लगाया जा सकता है। उन्होंने दलित समाज में जन्म लेने के बाद भी दुनिया में उत्कृष्ट कार्य किया, जिसके आज पूरी दुनिया उनका अनुशरण करती है। मौके पर राजू बिष्ट, राजीव बर्थवाल, शीशराम भगत, शम्मी, राकेश कुमार, धनपत, रामदयाल, आशु भट्ट, दीपक टंडन, वीरू छतरिया, प्रदीप भट्ट, ऋषि प्रजापति, नितिन दीक्षित, नीरज आहूजा आदि उपस्थित रहे।

आमजन के कल्याण को ध्यान में रखते हुए यह केंद्रीय बजट तीन संकल्पों से सुसज्जित : डॉ. नरेश बंसल

देहरादून। भाजपा राष्ट्रीय सह—कोषाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ. नरेश बंसल जी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026—27 को शानदार, दमदार, आम आदमी की सोच वाला तथा विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने वाला बताया है। डॉ. नरेश बंसल ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण रहा, क्योंकि आज़ाद भारत के इतिहास में पहली बार केंद्रीय बजट रविवार के दिन प्रस्तुत किया गया। यह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी का लगातार नौवां बजट रहा, जिससे वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली देश की पहली महिला वित्त मंत्री बन गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का यह 15वां बजट है। भाजपा—नीत एनडीए सरकार के कार्यकाल में निरंतर आर्थिक विकास और नियंत्रित महंगाई देखने को मिली है।

डॉ. बंसल ने कहा कि आमजन के कल्याण को ध्यान में रखते हुए यह केंद्रीय बजट तीन संकल्पों से सुसज्जित है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी ने वित्त वर्ष 2026—27 का बजट प्रस्तुत किया, जिसका कुल आकार 53.5 लाख करोड़ रुपये है, जबकि पिछले वर्ष का बजट 50.65 लाख करोड़ रुपये का था।

डॉ. नरेश बंसल ने कहा कि सरकार ने वर्ष 2021—22 में किए गए अपने वादे को पूरा किया है, जिसके तहत वर्ष 2025—26 तक राजकोषीय घाटे को ॅउद्ध के 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2025—26 के लिए राजकोषीय घाटा ॅउद्ध का 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो बजट अनुमान (इए) के अनुरूप है। वर्ष 2026—27 में यह और घटकर का 4.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। सरकार ने27 के लिए कर्ज— अनुपात 55.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है॥27 में 11.7 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया जाएगा। 16वें वित्त आयोग की 41 प्रतिशत हिस्सेदारी की सिफारिश को भी स्वीकार किया गया है।

डॉ. बंसल ने कहा कि गरीब कल्याण के संकल्प के साथ तैयार किया गया यह बजट शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास को हर घर तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता को दोहराता है। यह बजट ऐसे भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर है, जहाँ अवसर सभी की पहुँच में होंगे। पिछड़ों, दलितों और वंचित वर्गों के लिए विशेष योजनाओं का प्रावधान यह सुनिश्चित करता है कि विकास की इस यात्रा में कोई भी पीछे न छूटे। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना और ह्यएक जिला, एक उत्पादह्न पहल के समन्वय से ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्टअप्स और लघु उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। डॉ. नरेश बंसल ने कहा कि वित्त मंत्री जी ने बजट में उल्लेख किया है कि भारत में वर्ल्ड क्लास ट्रैकिंग की जब भी चर्चा होगी, उत्तराखंड का नाम शीर्ष पर होगा। मोदी सरकार एवं राज्य सरकार का विजन दुर्गम मार्गों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने का है। यह केवल एडवेंचर टूरिज्म नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ने का एक आध्यात्मिक अनुभव भी है। उन्होंने कहा कि यह बजट और इससे जुड़ी योजनाएँ देश की बहनों को आर्थिक शक्ति बनाने के लिए समर्पित हैं।

नगर पंचायत अध्यक्ष के आश्वासन पर सभासदों ने धरना किया समाप्त

उत्तरकाशी। नगर पंचायत अध्यक्ष के मनमाने रवैये के खिलाफ धरने पर बैठे सभासदों ने एसडीएम बड़कोट की मौजूदगी में नगर पंचायत अध्यक्ष विजय कुमार के लिखित आश्वासन के बाद धरना समाप्त कर दिया है। सभासदों ने अध्यक्ष पर चेहते को लाभ देने के लिए दुकान का निर्माण करने और इसकी जानकारी उन्हें नही देने का आरोप लगाया है। मामले में शनिवार देर शाम को सभासद कृष्ण मोहन रमोला, ललित परमार, सुनीता असवाल, रोहित रावत, लता नौटियाल, सुनील कोहली धरने पर बैठ गए थे। सभासदों ने आरोप लगाया कि अध्यक्ष की ओर से मनमाने ढंग से पैसों की बंदर बांट कर अपने रिश्तेदारों और चहेतों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। बोर्ड बैठक में पारित प्रस्ताव रजिस्टर में भी छेड़खानी कर नियम विरुद्ध कार्य करवाए जा रहे हैं जिससे जनता के बीच सभासदों की छवि खराब हो रही है। रविवार को एसडीएम बड़कोट की मौजूदगी में नगर पंचायत अध्यक्ष ने लिखित आश्वासन दिया जिसके बाद सभासदों ने धरना समाप्त कर दिया। वहीं, नगर पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि उनकी ओर से पारदर्शिता के साथ कार्य किए जा रहे हैं। सभी वार्डों में नियमानुसार विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

जीपीएस मैपिंग से दिल की गंभीर बीमारी का इलाज

देहरादून। दून अस्पताल के कॉर्डियोलॉजी विभाग ने जीपीएस मैपिंग से दिल की गंभीर बीमारी का इलाज शुरू किया गया है। कैथलैब में आत्याधुनिक तकनीकी से अनियंत्रित धड़कन वाले चार मरीजों की समस्या को जड़ से खत्म किया गया एमएस डॉ. आरएस बिष्ट ने बताया कि विभाग के एचओडी डॉ. अमर उपाध्याय के नेतृत्व में इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी कार्यशाला में दिल की अनियंत्रित धड़कन से जूझ रहे चार मरीजों का सफल इलाज किया गया। डॉक्टरों ने अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर बीमारी की जड़ को खत्म किया।

डॉ. उपाध्याय के मुताबिक जिन चार मरीजों की सर्जरी की गई, उनमें से तीन एसेसरी पाथवे और एक मरीज मल्टी फोकल एट्रियल टैकीकार्डिया से पीड़ित था। इन बीमारियों में मरीज की धड़कन अचानक बहुत तेज हो जाती है, जिससे उन्हें घबराहट, चक्कर आने और बेहोश होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसका मुख्य कारण हृदय की मांसपेशियों में असामान्य विद्युत संचरण कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अमर उपाध्याय ने बताया कि इलाज के लिए थ्रीडी काटी मैपिंग सिस्टमका इस्तेमाल किया गया। यह एक तरह की लोकलाइज्ड जीपीएस मैपिंग है, जिसके जरिए हृदय के इलेक्ट्रिक संचरण का एक नक्शा (मैप) तैयार किया जाता है। इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल स्टडी से असामान्य ऊतकों की सटीक पहचान की गई और रेडियो फ्रीक्वेंसी एबलेशन द्वारा उन्हें निष्क्रिय कर दिया गया। इससे बीमारी का जड़ से इलाज संभव हो सका। एमएस डॉ. आरएस बिष्ट ने इलाज एवं कार्यशाला के लिए कार्डियोलॉजी विभाग की टीम को बधाई दी।

सेवा ही राजनीति का सबसे सशक्त माध्यम : कोश्यारी

रुड़की। रविवार को बीटी गंज स्थित जैन धर्मशाला में युवा भाजपा नेता ध्रुव गुप्ता द्वारा आयोजित आठवें निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 500 से अधिक मरीजों ने विभिन्न रोगों की जांच एवं परामर्श का लाभ उठाया। विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की जांच कर जरुरी सुझाव दिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि सेवा ही राजनीति का सबसे सशक्त और सार्थक माध्यम है। ऐसे स्वास्थ्य शिविर समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने युवा भाजपा नेता ध्रुव गुप्ता की सराहना करते हुए कहा कि शिविर का आयोजन करना उनके समाज के प्रति समर्पण और सेवा भावना को दर्शाता है। महापौर अनीता अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आम नागरिकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर निगम की ओर से ऐसे सामाजिक कार्यों में हर संभव सहयोग दिया जाएगा। विधायक प्रदीप बत्रा ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय है और भविष्य में भी ऐसे शिविरों की संख्या बढ़नी चाहिए। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. मधु सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सेवा और समर्पण की भावना के साथ कार्य करती है। कार्यक्रम में संचालन पूर्व पार्षद विवेक चौधरी, पार्षद अनुराग त्यागी, डॉ. सौरभ गुप्ता, डॉ. अर्पित सैनी, दिनेश कौशिक, सौरभ भूषण शर्मा, विभोर अग्रवाल, रामगोपाल कंसल, अमित अग्रवाल, महेश पाल, नवनीत शर्मा आदि मौजूद रहे।

जाइका एवं एप्पल मिशन में विसंगतियों पर भेजा ज्ञापन

उत्तरकाशी। मोरी की ग्राम पंचायत डोभालगांव की प्रधान महेंद्री पंवार ने जाइका एवं एप्पल मिशन योजनाओं में समस्या और अनियमितताओं का आरोप लगाया। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह और सीएम पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेजा। साथ ही अनियमितताओं को जांच कर कार्रवाई करने की मांग की। ग्राम प्रधान महेंद्री पंवार ने केंद्रीय कृषि मंत्री को प्रेषित ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में जाइका एवं एप्पल मिशन योजनाओं में सब्सिडी की व्यवस्था ऐसी है जिससे केवल साधन संपन्न किसान ही लाभ उठा पा रहे हैं। छोटे और गरीब किसानों के पास प्रारंभिक निवेश के लिए धन नही होने के कारण वे योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने मांग की है कि छोटे किसानों के लिए सब्सिडी को 100 प्रतिशत किया जाए ताकि वे भी योजनाओं का लाभ ले सके। जायका परियोजना की सहायक निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. ज्योति बजेली ने बताया कि मोरी ब्लॉक के गड्डगाड़ पट्टी की सात ग्राम पंचायतों में सेब को फोकस क्रॉप के रूप में चयनित किया गया है।

मुख्यमंत्री धामी श्रीमद् भागवत कथा कार्यक्रम में हुए सम्मिलित

देहरादून। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा भारतीय संस्कृति, धर्म और आध्यात्मिक मूल्यों का महत्वपूर्ण आधार है, जो मानव जीवन को सदाचार, सेवा और कर्तव्यबोध की प्रेरणा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के साथ—साथ सामाजिक समरसता को भी मजबूत करते हैं। मुख्यमंत्री ने आयोजन के सफल संचालन हेतु विधायक प्रेमचंद अग्रवाल एवं उनके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन जनमानस को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं और भारतीय सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य करते हैं।

आंधी—बारिश से शहर और देहात तक बिजली—पानी का संकट

रुड़की। रविवार तड़के करीब तीन बजे अचानक आई तेज आंधी के साथ बारिश ने शहर से लेकर देहात तक जनजीवन अस्त—व्यस्त कर दिया। तेज हवाओं के चलते जगह—जगह बिजली के तार टूट गए और पोल झुक गए। जिससे शहर से देहात तक करीब आठ घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। तड़के तीन बजे से गुल हुई बिजली सुबह लगभग 10 बजे आई। जबकि देहात क्षेत्र में कई जगह पर दोपहर बाद बिजली आपूर्ति सुचारू हो सकी। बिजली गुल होने से पेयजल आपूर्ति भी ठप रही। रविवार तड़के तीन बजे अचानक मौसम बदल गया। आसमान में काले बादल छा गए। इसी के साथ तेज आंधी चलने लगी। साथ ही बारिश भी शुरू हो गई। आंधी के कारण कई जगह पर बिजली के तार टूट गए। लाइनों में पेड़ की टहनी आदि गिर गई। जिससे शहर से देहात तक बिजली आपूर्ति ठप हो गई। अनेक लोगों को बारिश और आंधी का तब पता चला जब छतों पर रखा सामान व गमले आदि गिरे नजर आए। साथ ही पानी नजर आया। बिजली न होने की वजह से तमाम इलाकों में जलापूर्ति ठप रही। इसके अलावा लोग घरों में लगे पानी के पंप भी नहीं चला पाए। पानी न आने से तमाम परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह के समय पानी न मिलने से गृहणियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मकतूलपुरी निवासी सीमा ने बताया कि गनीमत रही कि रविवार का अवकाश था। यदि अवकाश न होता तो सुबह बच्चों को स्कूल भेजना मुश्किल हो जाता, लेकिन पानी न होने से पूरे घर का काम रुक गया। वहीं सिविल लाइंस क्षेत्र के राजेश कुमार का कहना है कि बारिश तो थोड़ी देर की थी, लेकिन तेज हवा के कारण ज्यादा परेशानी हुई। हवा की वजह से ही विद्युत लाइन में फाल्ट आए। तड़के तीन बजे से गुल हुई बिजली सुबह 10 बजे के लगभग बहाल हुई। कई इलाकों में तो दोपहर बाद ही बिजली आपूर्ति सुचारू हुई।

रंग लाया आंदोलन, तांबाखाणी सुरंग से हटा 6000 मीट्रिक टन कचरा

उत्तरकाशी। हनुमान चौक में बीते 45 दिनों से धरने पर बैठे स्थानीय लोगों के आंदोलन का असर देखने को मिल रहा है। नगर पालिका की ओर से तांबाखाणी सुरंग के बाहर हाईवे पर कूड़ा डंपिंग जोन से तेजी से कचरा हटाया जा रहा है। अब तक यहां से छह हजार मीट्रिक टन पुराने कचरे का पूर्णरूप से वैज्ञानिक ढंग से निस्तारित किया गया है। पालिका प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि शेष कूड़ा निस्तारण को री—टेंडरिंग की जा चुकी है और टेंडर स्वीकृति के बाद 20 दिन के अंदर शेष कचरे का भी निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। तांबाखाणी से कूड़ा निस्तारण और डंपिंग जोन हटाने की मांग को लेकर हनुमान चौक पर भी सामाजिक कार्यकर्ता गोपीनाथ रावत का धरना 45 दिन से जारी है। गोपीनाथ के लंबे समय से चल रहे अनिश्चितकालीन धरने के बाद पालिका ने कूड़ा हटाने की कार्यवाही में काफी तेजी लाई है। नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी शालिनी चित्राण ने बताया कि नगर क्षेत्र में संचित लगभग छह हजार मीट्रिक टन पुराने कचरे का पूर्णरूप से वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण किया जा चुका है। इसके साथ ही पूर्व में कार्यरत फर्म की ओर से छोड़े गए लगभग 90 मीटर के शेष पैच के निस्तारण को पुनः री—टेंडरिंग की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। कूड़े का वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण को एमआरएफ सेंटर बनाने की कार्यवाही चल रही है। वर्तमान में पालिका फ्रेश वेस्ट को एकत्रित कर गीले कूड़े को अलग कर खाद बनाने का काम रही है। कुछ गीला अवशेष को गोशाला पहुंचाया जा रहा है। जहां पशु उसे खा रहे।

जयन्त

संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338